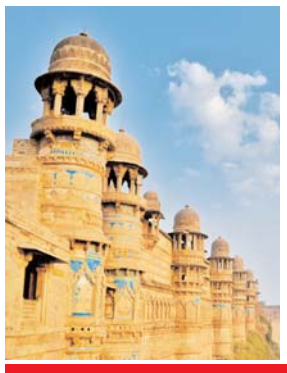

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 357 | ग्वालियर, 25 अक्टुबर, बुधवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

खतरनाक हुआ चक्रवाती तूफान हामून

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र सोमवार को चक्रवात में बदल गया. जिसके चलते भारत पर एक बार फिर से चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है. इस चक्रवात को हामून नाम दिया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र उत्तर की ओर 14 किमी प्रति घंटे की तफ्तार के आगे बढ़ने के बाद चक्रवाती तूफान में बदल गया. हालांकि, भारतीय तट पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा. आईएमडी के मुताबिक, सोमवार शाम 5.30 बजे, कम दबाव की यह प्रणाली ओडिशा के पारादीप तट से लगभग 230 किमी दूर, पश्चिम बंगाल के दीघा से 360 किमी दक्षिण में और बांग्लादेश में खेपुपारा से 510 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में स्थित थी. इसके अगले 12 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक तीव्र चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है. मौसम विभाग के मुताबिक, इस प्रणाली के गहरे दबाव के रूप में उभरा चक्रवात हामून 25 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे खेपुपारा और चटगांव के बीच बांग्लादेश के तट को पार कर सकता है. जिसके चलते ओडिशा सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है. इसके साथ ही उसने भारी बारिश होने पर प्रशासन से निचले इलाकों से लोगों को तुरंत निकालने का निर्देश दिया गया है. मौसम वैज्ञानिक यू एस दास के मुताबिक, यह प्रणाली ओडिशा तट से करीब 200 किमी दूर समुद्र में बढ़ेगी. इसके प्रभाव से सोमवार को तटीय ओडिशा में कुछ स्थानों पर और अगले दो दिनों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है.

प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में गंभीर नहीं है दिल्ली सरकार, गंभीरता से ग्रेप नियमों को करें लागू: भाजपा

नई दिल्ली। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने केजरीवाल सरकार से ग्रेप नियमों को गंभीरता से लागू करने की मांग की है। इसके साथ ही भाजपा ने यह भी मांग की है कि प्रदूषण से बचाने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ अपनी लड़ाई में गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार के पास प्रदूषण और उसके कारणों पर कोई शोध रिपोर्ट नहीं है और ग्रेप चरणों का कार्यान्वयन भी वैज्ञानिक रूप से आधारित नहीं लगता है। सचदेवा ने कहा कि दो दिन पहले केजरीवाल सरकार के मंत्री गोपाल राय ने ग्रेप 2 लागू करने का ऐलान किया था, आज उनका कहना है कि प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार को ग्रेप नियमों को गंभीरता से लागू करना चाहिए क्योंकि लोगों को प्रदूषण से बचाने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

छत्तीसगढ़ के चुनाव में रावण से लेकर कुत्ता-बिल्ली की चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले एक-दूसरे पर सियासी हमले का दौर जारी है। यहां रावण से लेकर कुत्ते-बिल्ली तक की चर्चा होने लगी है। भाजपा की ओर से दशहरे के मौके पर सोशल मीडिया पर दस सिर के व्यक्ति को दिखाते हुए लिखा गया है, इस बार होगा भ्रष्टाचार के रावण का दहन। इस कार्टून में साथ में लिखा गया है, अउ नइ सहिबो, बदल के रहिबो। जिसमें धनुष-बाण से जलता हुआ तीर 10 सिर वाले व्यक्ति की तरफ जा रहा है, जिस पर लिखा है ठगेश। इसके दस सिर दिखाए गए हैं, जिस पर ट्रांसफर घोटाला, जिहादगढ़, कोल घोटाला, चावल घोटाला, पीएससी घोटाला, शराब घोटाला, गोबर घोटाला, धर्मांतरण, हत्या और बलात्कार लिखा हुआ है।

पीएम मोदी का ग्वालियर दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (शनिवार) को ग्वालियर के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वह सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अथिति के रूप में शामिल होंगे. पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर और मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल भी कार्यक्रम में शामिल होंगे. इनके अलावा स्कूल के सैकड़ों पुराने और नए छात्र भी स्थापन दिवस कार्यक्रम में पहुंचेंगे. अपने दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी करीब डेढ़ घंटा सिंधिया स्कूल में बिताएंगे. प्रधानमंत्री के दौरे के चलते सिंधिया स्कूल को दुल्हन की तरह सजाया गया है. समारोह की शुरुआत स्पेशल स्क्रीनिंग फिल्म से की जाएगी. जिससे कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मेहमान स्कूल के इतिहास से लेकर वर्तमान तक की पूरी जानकारी हासिल कर पाएंगे. समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे. जिनका स्वागत सिंधिया स्कूल के बैंड द्वारा किया जाएगा. इस समारोह में सिंधिया स्कूल के भूतपूर्व छात्र पार्श्व गायक नितिन मुकेश समेत मीत ब्रदर्स भी शामिल होंगे. इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे. इसके बाद एक न्यू मल्टीपरपज स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स की आधारशिला भी रखेंगे. इसके अलावा पीएम मोदी सिंधिया स्कूल की परंपरा को दर्शाते हुए डाक टिकट का अनावरण भी करेंगे. इस दौरान पीएम मोदी माधव अवार्ड-2023 भी प्रदान करेंगे. इस समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों में स्कूल का नाम रोशन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया जाएगा. स्थापना दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ मंच पर प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, तकनीकी विज्ञान मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह मौजूद रहेंगे. पीएम मोदी के ग्वालियर आगमन पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश के अग्रणी सिंधिया स्कूल में पीएम मोदी का आगमन हो रहा है. व्यस्तता में समय निकालकर हमारी संस्था में आ रहे हैं. प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर स्कूल ही नहीं पूरे ग्वालियरवासी स्वागत के लिए उत्साहित हैं. सिंधिया स्कूल के इतिहास में ये महत्वपूर्ण समय दर्ज किया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले शाम 4.30 बजे ग्वालियर स्थिर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेंगे. यहां से पीएम हेलीकॉप्टर से सिंधिया स्कूल के लिए रवाना होंगे. जहां वह 4.55 बजे पहुंचेंगे. पीएम मोदी सिंधिया स्कूल में शाम 5 से 6.30 बजे तक स्थापना दिवस समारोह में मौजूद रहेंगे. इस दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम की समाप्ति के बाद पीएम मोदी शाम 6.35 बजे एयरफोर्स स्टेशन के लिए रवाना होंगे. कार्यक्रम स्थल को ग्वालियर किले की तर्ज पर तैयार किया गया है. इस दौरान पीएम मोदी पौधारोपण भी करेंगे, साथ ही स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखेंगे. इसके बाद वह छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी जायजा लेंगे. इस कार्यक्रम में करीब पांच हजार लोग शामिल होंगे.

पड़ोसी देशों के साथ मित्रवत सहयोग संबंधों का विकास करता है चीन

बीजिंग। चीन मित्रता, सद्भावना, पारस्परिक लाभ और समावेशन के आधार पर पड़ोसी देशों के साथ संबंध स्थापित करता है। 24 अक्टूबर को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस कूटनीतिक विचारधारा की प्रस्तुति की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए लिखित संदेश भेजा। अपने संदेश में शी चिनफिंग ने कहा कि पिछले दस सालों में चीन ने इस कूटनीतिक विचारधारा का कार्यान्वयन कर चुतुर्मुखी तौर पर पड़ोसी देशों के साथ मित्रवत सहयोग संबंधों का विकास किया। दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है और हित गहराई से मिश्रित हो रहे हैं। शी चिनफिंग ने कहा कि युग की नई स्थिति में चीन इस कूटनीतिक विचारधारा को नया अर्थ देगा। चीन शांति, सहयोग, सहिष्णुता और एकीकरण से केंद्रित एशियाई मूल्य विचारधारा का विकास करेगा, ताकि क्षेत्रीय एकता, खुलेपन और प्रगति को नई मदद दी जा सके।

इजरायल को बिना शर्त ग्रीन लाइट देना जायज नहीं : कतर

नई दिल्ली। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी ने मंगलवार को कहा कि इजरायल को बिना शर्त ग्रीन लाइट और हत्या की अप्रतिबंधित अनुमति देना स्वीकार्य नहीं है। अमीर तमीम बिन हमद अल थानी ने एक्स पर लिखा, हम कहते हैं कि बहुत हो गया, और इजरायल को बिना शर्त ग्रीन लाइट और हत्या की अप्रतिबंधित अनुमति देना स्वीकार्य नहीं है। कब्ज़ा, घेराबंदी और बसावट की वास्तविकता को नज़रअंदाज करते रहना स्वीकार्य नहीं है। कतर दोहरे मानकों को स्वीकार नहीं करता है और ऐसा व्यवहार करता है, मानो बच्चों की जान कोई मायने नहीं रखती। उन्होंने आगे लिखा, कब्ज़ा, घेराबंदी और समझौते के तथ्यों को अनदेखा करना जारी रखना स्वीकार्य नहीं है। हम शांति के समर्थक हैं, हम अंतरराष्ट्रीय वैधता और अरब पहल के प्रस्तावों का पालन करते हैं और हम दोहरे मानकों को स्वीकार नहीं करते हैं।

दिल्ली को कब मिलेगी वायु प्रदूषण से निजात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर खराब से बेहद खराब स्थिति में पहुंच गया है. ऐसा तो तब है जब दिवाली अभी काफी दूर है. क्योंकि दिल्ली में हर साल प्रदूषण कावीभत्स रूप दिवाली के आसपास और उसके बाद देखने को मिलता है, लेकिन इस बार दिल्ली में दिवाली से 15 दिन पहले ही प्रदूषण की मोटी सफेद चादर देखने को मिल रही है. जिसके चलते लोगों को सांस लेने और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. खासकर सांस के मरीजों के लिए प्रदूषण मुसीबत का कारण बन गया है. डॉक्टरों ने ऐसे मरीजों को घर में ही

रहने की सलाह दी है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि परसों का स्तर 300 के पार हो गया था लेकिन कल इसमें गिरावट दर्ज की गई है. जैसे-जैसे मौसम में परिवर्तन हो रहा है, ठंड के बढ़ने के साथ प्रदूषण में बढ़ोतरी होगी...दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन प्रशासन से ज्यादा दिल्ली के लोगों को ध्यान देने की जरूरत है...91 जगह ऐसी हैं जहां ट्रैफिक जाम की स्थिति होती है, ऐसी जगहों पर पुलिस बल की संख्या बढ़ाई है...15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान पर काम किया जा रहा है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का कहर जारी है. दिल्ली और उससे सटे इलाके प्रदूषण की सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं. दिल्ली में वायु प्रदूषण खराब से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है. ऐसा तो तब है जब दिवाली अभी दूर है. क्योंकि माना जाता है कि दिवाली पर आतिशबाजी और बटाखों की वजह से हवा में धुंए का लेवल काफी बढ़ जाता है, जिसकी वजह से वायु प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या देखने को मिलती है. दिल्ली में आज यानी दशहरा के दिन भी हवा काफी खराब श्रेणी में बनी हुई है. आज यहां का ओवरऑल एक्यूआई 303 दर्ज किया गया.

5 लाख था उधार, दोस्त के साथ मिलकर खरीदी पिस्टल, हत्या की प्लानिंग करते पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद की क्राइम ब्रांच पुलिस ने दो आरोपियों को हत्या की प्लानिंग करते हुए गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल भी बरामद हुई है। इनमें से एक ने 5 लाख रुपए उधार लिए थे। उधार देने वाला व्यक्ति जब बार-बार पैसे की मांग कर रहा था तो इन्होंने उसकी हत्या की साजिश रची। प्लान बनाते समय ही क्राइम ब्रांच ने इन्हें पकड़ लिया। दोनों को थाना नन्दग्राम क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से दो पिस्टल और छह कारतूस बरामद हुए हैं। अभियुक्त अंकित त्यागी 12वीं पास है और वाटर प्लॉन्ट फाइनेंस का काम करता है। उसने बताया कि रवि शर्मा नाम के एक व्यक्ति से 5 लाख रूपये उधार लिए थे। रवि बार-बार पैसे वापस मांग रहा था। लेकिन, उधार लिए रूपए को वापस करने का इंतजाम नहीं हो सका। अंकित ने इसका जिक्र अपने साथी गौरव से किया। जिस पर गौरव ने अंकित के साथ मिलकर रवि शर्मा की हत्या की योजना बनाई। इसी उद्देश्य से दोनों ने मेरठ से पिस्टल और कारतूस खरीदे थे। गिरफ्तारी से पूर्व दोनों हत्या की साजिश कर रहे थे। पकड़े गए अंकित और गौरव दोनों पर गाजियाबाद में दो-दो मामले पहले से दर्ज हैं। गौरव पहले भी हत्या के मामले में जेल जा चुका है।

भैयादूज पर बंद होंगे बाबा केदार के कपाट

भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में तय तरीखों के अनुसार, इस बार भगवान केदारनाथ के कपाट आगामी 15 नवंबर को भैयादूज पर्व पर वृश्चिक लगन में प्रातः साड़े आठ बजे शीतकाल के लिए बन्द कर दिये जाएंगे. इस समय 16 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बदरी के दरबार में आ चुके हैं. वहीं, दशहरा पर्व पर 11वें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ, द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर और तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट बंद होने की तिथियां शीतकालीन गद्दी स्थलों में पंचाग गणना के अनुसार घोषित कर दी गई है. ओंकारेश्वर मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा पौराणिक कथाओं के अनुसार, मंदिर की स्थापना राजा मांधाता और उनकी भगवान शिव भक्ति की किंवदंती से जुड़ी है. ऐसा कहा जाता है कि जिस द्वीप पर मंदिर स्थित है, उसका आकार हिंदू प्रतीक ओम जैसा है. ओंकारेश्वर भारत के मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में नर्मदा नदी के मांधाता द्वीप पर स्थित है. इस द्वीप का आकार प्राकृतिक रूप से हिंदू प्रतीक ओम जैसा दिखता है, जो इस स्थल के आध्यात्मिक महत्व को बढ़ाता है.

कपाट बन्द होने के बाद भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली धाम से रवाना होगी. यह से लिनचोली, जंगलचट्टी, गौरीकुंड, सोनप्रयाग, सीतापुर यात्रा पड़ावों पर श्रद्धालुओं को आशीष देते हुए प्रथम

रात्रि प्रवास के लिए रामपुर पहुंचेगी. 16 नवंबर को पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली रामपुर से रवाना होकर शेरसी, बड़ासू, फाटा, मैखण्डा, नारायण कोटी, नाला सहित विभिन्न यात्रा पड़ावों पर भक्तों को आशीष देते हुए अंतिम रात्रि प्रवास के लिए विश्वनाथ मन्दिर गुप्तकाशी पहुंचेगी. इसके साथ 17 नवंबर को पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली गुप्तकाशी से रवाना होकर शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होगी. पंच केदारों में तृतीय केदार के नाम से विख्यात भगवान तुंगनाथ के कपाट बन्द होने की तिथि भी विजयदशमी पर्व पर शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ में घोषित की गई. पंचाग गणना के अनुसार भगवान तुंगनाथ के कपाट आगामी एक नवंबर को 11 बजे धनु लगन में शीतकालीन के लिए बन्द कर दिये जाएंगे तथा कपाट बन्द होने के बाद भगवान तुंगनाथ की चल रहे विग्रह उत्सव डोली सुरम्य मखमली बुग्यालों में नृत्य करते हुए प्रथम रात्रि प्रवास के लिए चोपता पहुंचेगी. दो नवंबर को भगवान तुंगनाथ की चले विग्रह उत्सव डोली चोपता से रवाना होकर बनियाकुंड, दुगलबिट्टा, मक्कूबैण्ड बनातोली यात्रा पड़ावों पर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए अन्तिम रात्रि प्रवास के लिए भनकुंड पहुंचेगी. तीन नवम्बर को शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ में विराजमान होगी. भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ आगमन पर भोज का आयोजन किया जायेगा. पंच केदारो में द्वितीय केदार के नाम से विख्यात भगवान मदमहेश्वर के कपाट आगामी 22 नवम्बर को सुबह आठ बजे वृश्चिक लगन में शीतकाल के लिए बन्द किये जायेंगे. विग्रह उत्सव डोली धाम से रवाना होकर कूनचट्टी, मैखम्बा, नानौ, खटारा, बनातोली यात्रा पड़ावों पर भक्तों को आशीष देते हुए प्रथम रात्रि प्रवास के लिए गौण्डार गांव पहुंचेगी. 23 नवंबर को भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली गौंडार गांव से रवाना होकर द्वितीय रात्रि प्रवास के लिए राकेश्वरी मंदिर रांसी पहुंचेगी. 24 नवंबर को भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली उनियाणा, राऊलैंक, मनसूना यात्रा पड़ावों पर भक्तों को आशीष देते हुए अन्तिम रात्रि प्रवास के लिए गिरीया गांव पहुंचेगी तथा 25 नवंबर को विभिन्न यात्रा प?ावों पर भक्तों को आशीष देते हुए शीतकालीन गद्दी स्थल ओकारेश्वर मन्दिर में विराजमान होगी. भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली के कैलाश से ऊखीमठ आगमन पर भव्य मेले का आयोजन किया जायेगा.

स्वदेश लौटते ही पूर्व पीएम शरीफ को बड़ी राहत

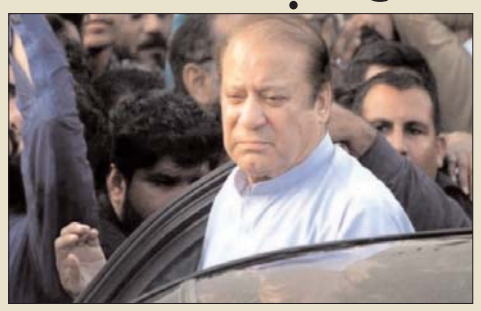

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को वतन लौटते ही सरकार की ओर से बड़ी राहत मिली है. स्टील मिल केस में उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकेगी.पंजाब की कार्यवाहक सरकार ने अल अज़ीज़िया स्टील मिल केस में शरीफ की सजा निलंबित कर दी है. पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को अल अजीजिया स्टील मिल मामले में नवाज शरीफ की सजा को पंजाब कैबिनेट ने निलंबित कर दिया. कार्यवाहक सूचना मंत्री आमिर मीर ने इसकी जानकारी दी. मंत्री आमिर मीर ने कहा कि यह निर्णय आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) की धारा 401 के तहत अपनी संवैधानिक शक्तियों को इस्तेमाल करते हुए लिया गया है, यह संवैधानिक शक्तियां किसी भी अपराधी को सजा माफ करने का अधिकार मुहैया कराती है. मंत्री मीर ने बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने पंजाब कैबिनेट से अपनी सजा निलंबित करने की अपील की थी. शरीफ की अपील पर उनकी सजा निलंबित की गई है. बता दें कि अल-अजीजिया स्टील मील मामलों में नवाज शरीफ को दोषी ठहराया गया था. इसके साथ ही तोशाखाना वाहन मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था. जो इस्लामाबाद कोर्ट के समक्ष लंबित है. बता दें कि शरीफ 2019 में इलाज के लिए पाकिस्तान से ब्रिटेन गए थे. वह इस मामले में जमानत पर थे. शरीफ इन दिनों अपना इलाज करवाते रहे. हालांकि, नवाज शरीफ अपने देश वापसी करने के बाद लोगों को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया है. बता दें कि बीते शनिवार को नवाज शरीफ इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे. इस दौरान उन्होंने लंबित अपील को बहाल करने वाली याचिका पर हस्ताक्षर किए. 4 साल बाद ब्रिटेन से लौटने के बाद नवाज शरीफ ने पिछले दिनों लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में अपनी पहली रैली को संबोधित किया. इस दौरान वे बेहद भावुक दिखे, साथ ही जनता को भरोसा दिया कि वह उनके साथ हैं और मिलकर मुश्किल घड़ी का सामना करेंगे.

हमास की हैवानियत सामने आई

नई दिल्ली। आपको याद होगा 7 अक्टूबर का वह दिन जब हमास के लड़ाकों ने इजरायल में घुसकर कत्लेआम मचा दिया था. यह हत्याएं बेहद भयावह थीं. इन लड़ाकों ने दुधमुहे बच्चों को भी मौत के घाट उतार डाला था. गाजा पट्टी से लगे इजरायली इलाकों में घुसकर हमास ने निहत्थे आम नागरिकों पर गोलियां बरसाईं. इस मंजर के कई वीडियो सामने आए हैं. इजरायली पुलिस ने इस हमले में शामिल कुछ हमास के लड़ाकों को पकड़ लिया था. पुलिस ने जब इनसे कड़ाई से पूछताछ की तो इन्होंने बड़ा खुलासा किया. इस पूछताछ के वीडियो भी जारी किए गए हैं. पूछताछ में हमास के लड़ाकों ने बताया कि उन्हें लोगों पर गोलियां बरसाने और बंधक लाने के लिए 10 हजार डॉलर के इनाम और घर देने का वादा किया गया था. इजरायल की ओर से जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें एक हमास लड़ाका हथकड़ी पहने बैठा दिखाई दे रहा है. वह यह कहता दिखाई दे रहा है कि उन्हें इजरायली नागरिकों की हत्या का आदेश था. वहीं महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बंधक बनाने को कहा गया था. वीडियो में एक और लड़ाका भी दिखाई दे रहा है. ये बताता है कि उनसे घर को साफ करने यानि जितने नागरिकों की हत्या करने और जितने भी हो सके, उतने बंदी लाने को कहा गया था. उन्हें कहा गया था कि जो कोई भी गाजा में बंधक लगाएगा. उन्हें इनाम मिलेगा.

संघ स्थापना दिवस पर निकला पथ संचलन

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

घोष पर कदमताल करते हुएचम्पावती में निकला पथ संचलन, राष्ट्र भक्ति गीत गाते हुआ किया पथ संचलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती चांचौड़ा का पथ संचलन कन्या हायरसेकंडरी खेल परिसर से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथियों में विभाग के मुख्य मार्ग प्रमुख नरेंद्र सिंह तोमर खण्ड संघचालक चन्द्रेश नामदेव एवं नगर कार्यवाह निक्की साहू उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने अपने बौद्धिक बताया संघ की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई थी आज संघ रूपी नन्हा सा पौधा एक वट वृक्ष का रूप ले चुका है संघ कार्य सम्पूर्ण भारत वर्ष के साथ विश्व के चालीस देशों चल रहा है भारत को परम् बैभव पर ले जाना ही संघ का उद्देश्य है ।संघ की शाखा व्यक्ति निर्माण की पाठशाला है जिसमे मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक, नैतिक सेवा आदि गुणों का विकास होता है।

ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना जो व्यसन मुक्त एवं संस्कार युक्त हो। नगर के विभिन मार्गो से होता हुआ संचलन का पुनः उसी स्थान पर समापन हुआ।राष्ट्रभक्ति गीत गाते हुए घोष पर स्वयंसेवकों ने कदमताल किया।स्थान स्थानों पर में गणमान्य नागरिकों ,समाजजनो ने पुष्पवर्षा का स्वागत किया। अंत मे आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

दशहरा पर्व के अवसर पर एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया और कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने साथ मिलकर किया शस्त्र पूजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी मुख्यालय पर दशहरा पर्व के अवसर पर एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया और कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने साथ मिलकर शस्त्र पूजन किया। पूजन के बाद एसपी-कलेक्टर ने हर्ष फायर भी किए। बता दें कि हर साल दशहरा के पर्व पर घर घर शस्त्र पूजे जाते हैं। उसी तरह शस्त्र पूजन की सालों पुरानी परंपरा का निर्वहन पुलिस महकमा भी करता हुआ आ रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को शिवपुरी एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया ने पुलिस लाइन स्थित शस्त्रागार पहुंचे। उनके साथ पूरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी भी साथ मौजूद रहे।

बाद सबसे पहले मां दुर्गा के सामने शस्त्र पूजन की प्रक्रिया शुरू की गई और फिर हवन किया गया। परंपरा के तहत कूमड़ा की बली दी गई। पूजन प्रक्रिया के आखिरी में आरती कर कलेक्टर-एसपी ने हर्ष फायर किये। इसके बाद वाहन पूजन भी किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। दशहरा के मौके पर कलेक्टर-एसपी ने जिलेवासियों को बधाईयां भी दी हैं।

सीरवी समाज ट्रस्ट शेरिलिंगमपल्ली हैदराबाद माताज़ी का विसर्जन

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
धनराज चौधरी।

सीरवी समाज ट्रस्ट शेरिलिंगमपल्ली मे माताजी का विसर्जन किया गया। नवरात्रि महोत्सव के पावन पर्व पर 9 दिनो तक डी जे की धुन पर गरबा नृत्य किया गया और रात को नृत्य में महा प्रसादी रखी गई थी माताऐ बहनों ने गरबा नृत्य किया और दान दानदाताओ का स्वागत किया गया 24-10-2023 को सुबह समाज के कार्यकर्ता और समाज के महानुभावों ने माताजी का विसर्जन किया गया और बाद में महाप्रसादी रखी गई।

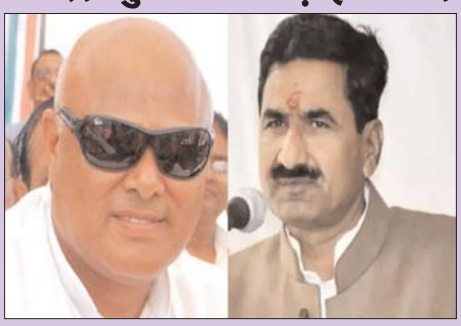

दीवारों, होर्डिंग को कांग्रेस के प्रचार का इंतजार, असमंजस ने वीरेंद्र रघुवंशी की बढ़ाई उम्मीदें

शिवपुरी। *विधानसभा चुनावों में दोनों प्रमुख राजनैतिक दलों ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने चुनाव कार्यालय खोल दिया है। मुख्य चौराहों, सड़कों और होर्डिंग्स पर भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों के बैनर पोस्टर व दीवार लेकिन दमकने लगा है, लेकिन इन सबके बीच कांग्रेस अभी प्रचार की दौड़ में नजर नहीं आ रही है, हालांकि प्रत्याशी के रूप में केपी सिंह का नाम घोषित हो चुका है, लेकिन जिस तरह उनके क्षेत्र बदलने, सक्रिय रूप से अब तक मैदान में न उतरने की चर्चाएं चल रही हैं, उसका असर प्रचार-प्रसार में दिखाई दे रहा है। अब तक न तो शहर में और न ही गांव में कांग्रेस प्रत्याशी के बैनर-पोस्टर नजर आ रहे हैं और न ही प्रचार की धुरी माने जाने वाले चुनाव कार्यालय खुले हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता भी हैरान हैं कि वह कहां, किसके निर्देशन में प्रचार के समर में कूदें। बार-बार जिस तरह अब भी टिकिट बदलने की अटकलें आ रही हैं, उससे भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए पूर्व विधायक वीरेंद्र रघुवंशी की बची खुची उम्मीदें पुन- बलवती हो गई हैं। प्रसव के दौरान जच्चा-बच?चा की मौत, अस?पताल ने चार घंटे तक शव को रखा, नहीं दी जानकारीस्द्धद्ब1श्चह्वह्ल्द्ब ह्द्न2ह्य- प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत, अस्पताल ने चार घंटे तक शव को रखा, नहीं दी जानकारी बता दें कि वीरेंद्र की कांग्रेस में वापसी के साथ ही यह जोरदार ढंग से प्रचारित किया गया था कि आगामी चुनाव में वे ही शिवपुरी से कांग्रेस प्रत्याशी होंगे। बताया तो यहां तक जाता है कि वीरेंद्र ने इसके लिए प्रचार सामग्री तक तैयार करवाने के आर्डर कर दिए थे, हालांकि अभी भी उनकी दौड़ दिल्ली से भोपाल तक जारी है और इन सबके बीच जिस तरह पार्टी आलाकमान और राज्य की राजनीति में प्रबल दखल रखने के वाले कांग्रेसी नेताओं के उनके टिकिट को लेकर पिछ्ले दो दिनों में जो बयान आए हैं, उनसे फिर ऐसा लगने लगा है कि अब तक शिवपुरी से केपी का प्रचार अभियान शुरू न होना, इस बात का संकेत है कि नाम निर्देशन की आखिरी तारीख से पहले शिवपुरी सीट पर प्रत्याशी परिवर्तन हो सकता है। केपी के 30 तक इंतजार की बात के मायनेटिकिट परिवर्तन की अटकलों को हवा इसलिए भी दी जा रही है क्योंकि खुद कांग्रेस प्रत्याशी केपी सिंह ने नाम घोषित होने के बाद से अप्रत्यक्ष तौर पर कार्यकर्ताओं को होल्ड पर रहने के निर्देश दिए हैं, तो वहीं कार्यकर्ता सम्मेलन व बैठकों में भी केपी लगातार 30 तक इंतजार करने की बात कह रहे हैं। इतना ही नहीं मीडिया से भी गाहे-बगाहे अनौपचारिक चर्चा में केपी कुछ और इंतजार करने की बात कहते रहे हैं, जो दर्शाता है कि शिवपुरी से टिकिट बदलने की चल रही चर्चा पूर्णत- आधारहीन तो नहीं है।*

प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत, अस्पताल ने चार घंटे तक शव को रखा, नहीं दी जानकारी

शिवपुरी। जिला अस्पताल में रविवार की दोपहर एक प्रसूता और उसकी बच्ची की प्रसव के दौरान मौत हो गई। इसके बाद चिकित्सा स्टाफ चार घंटे तक प्रसूता के शव को लेबर रूम में रखे रहे और स्वजन से यह कहते रहे कि प्रसूता की हालत गंभीर है। शाम को अस्पताल के स्टाफ ने कोतवाली पुलिस को हंगामे की सूचना देकर पुलिस फोर्स बुला लिया और इसके बाद प्रसूता को मृत घोषित किया ताकि प्रसूता के स्वजन कुछ कह भी न सकें।

जानकारी के अनुसार महिमा शर्मा को रविवार की दोपहर प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती कराया गया था। स्वजन के अनुसार लेबर रूम के अंदर मौजूद स्टाफ ने सामान्य प्रसव में परेशानी बताई, लेकिन बाद में कहा कि सामान्य प्रसव करवाना है तो दस हजार रुपये लगेंगे। बकौल सचिन इसके बाद प्रसव करवाया गया तो दोपहर 2 बजे सामान्य प्रसव से ही मृत बच्ची पैदा हुई। महिमा की हालत भी खराब होती चली गई। प्रसूता के जेठ नितिन शर्मा का आरोप है कि दोपहर दो बजे के बाद से वह लगातार डाक्टरों से यह कहते रहे कि वह प्रसूता को ग्वालियर रैफर कर दें, लेकिन वे महिमा शव को अंदर रखकर यह कहते रहे कि जच्चा की हालत को सामान्य करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस फोर्स बुलाकर महिमा को मृत घोषित किया। इस पूरे मामले में ड्यूटी डाक्टर से जब जानकारी का प्रयास किया तो वे अपने केबिन से ही बाहर नहीं आईं और स्टाफ ने भी जानकारी नहीं दी। सिविल सर्जन डा बीएल यादव का कहना है कि महिला का यह चौथा बच्चा था। इससे पहले एक बच्चा जीवित है जबकि दो गर्भपात हो चुके हैं। वह सितंबर में भी भर्ती हुई थी और तब ही बच्चा निकलवाने क सलाह दी गई थी। महिला को रैफर भी किया गया, परंतु स्वजन महिला को मेडिकल कालेज ले जाने की बजाए अपने घर ले गए। बच्चा गर्भ से ही मृत निकला था और उसकी त्वचा निकल चुकी थी जो यह दर्शाता है कि बच्चे की मौत गर्भ में ही करीब 24 घंटे पूर्व हो चुकी थी। बच्चा बाहर आते ही महिला का ब?लड प्रेशर शबढ़ गया जिससे उसे ब्रेन हेमरेज हो गया और वह कोमा में चली गई थी। यदि प्रसूता के बच्चे को सितंबर माह में ही निकलवा लिया जाता तो दोनों की जान बच सकती थी।

जीजा-साले ने हत्या कर कुएं में फेंकी थी युवती की लाश, पड़ोसी युवक सहित 2 अन्य पर केस दर्ज

शिवपुरी। इंदार थानांतर्गत ग्राम मड़वासा में मंगलवार की शाम एक युवती अचानक घर से लापता हो गई थी। युवती का शव दो दिन बाद गांव के एक कुएं में उतराता हुआ मिला। पुलिस ने इस मामले में स्वजनों की शिकायत के आधार पर पड़ोसी युवक सहित उसके दो अन्य साथियों पर हत्या सहित साक्ष्य छिपाने का मामला दर्ज कर लिया है। मड़वासा निवासी नंदनी कुशवाह उम्र 20 साल 17 अक्टूबर को घर से अचानक गायब हो गई थी। जब युवती के माता-पिता खेत से वापिस लौटे तो बेटी की तलाश की परंतु उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा, जिस पर उन्होंने थाने में नंदनी की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पड़ौस में रहने वाले ईशू राठौर नामक युवक पर उसे भगा कर ले जाने का आरोप भी लगाया। इसी क्रम में 19 अक्टूबर की दोपहर उसकी लाश गांव के कुएं में उतराती मिली। मृतिका के चाचा सीताराम सहित अन्य स्वजनों ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी नंदनी से पड़ोस में रहने वाला ईशू बात करता था और जब उन लोगों ने ईशू से बेटी से बात करने को मना किया तो उसने नंदनी को जान से मारने की धमकी भी दी थी। सीताराम के अनुसार जब नंदनी की लाश नहीं मिल रही थी तो ईशू राठौर की दादी ने ही नंदगी के भाई से कहा था कि तुम नंदनी को सब जगह तलाश रहे हो इस कुएं में क्यों नहीं देख रहे? जब उस कुएं में देखा तो नंदनी की लाश उसी कुएं में मिली।

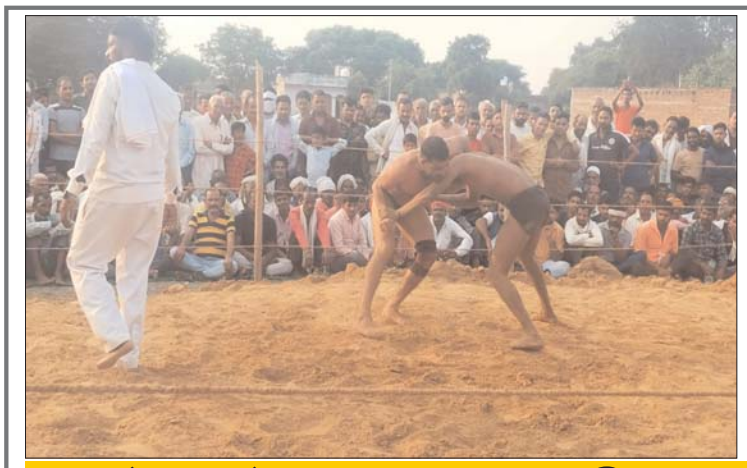

दबोह में अंतरराज्यीय दंगल का हुआ आयोजन अंतिम कुश्ती पर 15 हजार की लगी बोली

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। हर बर्ष की भांति इस बर्ष दशहरा के पावन पर्व मा बीजासेन की असीम कृपा से अंतरराज्यीय दंगल का आयोजन किया गया।इस दंगल में दूर दराज जगह के पहलवान अपने हुनर दिखाने आते है।दबोह में दंगल का आयोजन बर्षो से कराया जा रहा है।मंगलवार के दंगल में कुल 22 कुश्ती हुई जिनमे अधिकांश बराबरी पर छूटी तो कई कुश्ती में पहलवानों ने अपने दांव के हुनर दिखाए। इस दंगल में पंजाब, ग्वालियर, भिंड, उत्तरप्रदेश, जैसे जगहों के व्यख्यात पहलवान पहुचे दर्शकों को सबसे ज्यादा रोमांचित किया नीरज ग्वालियर और प्रमोद शमशाबाद के पहलवानों की कुश्ती ने जिसमें

प्रमोद विजय हुए।वही बीरेंद्र दतिया ओर जितेंद्र आगरा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ।जिसमें बीरेंद्र बिजय हुए इस कुश्ती पर समिति के द्वारा 4100 की बोली लगाई गई थी।वही इस दंगल की अंतिम कुश्ती 15 हजार रुपये की कराई गई जो सचिन मथुरा और नबाब अली पंजाब के बीच हुई यह कुश्ती बराबर पर छूटी। इन पहलवानों को दंगल समिति ने लगी हुई इनाम की राशि भेंट की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष के पति नरेंद्र दुधारिया, काग्रेस के बरिष्ठ नेता शिवनारायण दुबे,नगर परिषद उपाध्यक्ष हाकिम कौरव,दीवान कौरव,रियाज खान, शेरे पठान,मकबूल पठान,धर्म सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

आगामी चुनाव को देखते हुए दबोह पुलिस ने नगर में निकाला फ्लैग मार्च

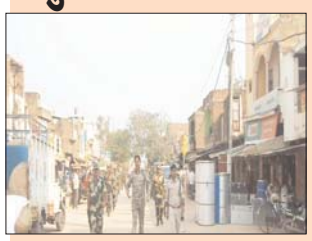

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह-। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए दबोह थाना पुलिस ने बीएसएफ फोर्स के साथ नगर में फ्लैग मार्च निकाला।दबोह थाने से शुरू हुआ मार्च नगर के मुख्य मार्गो रीछा मोहल्ला,चौक मोहल्ला,चौधरी मोहल्ला,कजियाना मोहल्ला,कोंच रोड से निकाला गया।इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व दबोह थाना प्रभारी परमानन्द शर्मा,उप निरीक्षक देवेंद्र राठौर कर रहे थे।बता दे कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए हर जगह यह फ्लैग मार्च निकाले जा रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी चौ. राकेश चतुर्वेदी ने जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक की

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी के बीटीआई रोड़ स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी राकेश चतुर्वेदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। श्री चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का साथ और जनता का आर्शीवाद हमेशा मुझे मिलता रहा है,क्षेत्र का विकास करना ही मेरा मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वह जब-जब भिंड से विधायक बने तब - तब विकास के कार्य किये हैं, श्री चतुर्वेदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं और जनता से हमेशा उनका संपर्क रहा है।उक्त बैठक

कांग्रेस प्रत्याशी चौ राकेश चतुर्वेदी ने कहा भिंड विधानसभा की जनता ने उनको कई बार चुनकर विधानसभा में भेजा है,जब भी वह विधानसभा में चुनकर गए हैं,तब- तब विकास कार्य किए हैं।उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन के आर्शीवाद से आगामी विधानसभा चुनाव में वह विधानसभा में जीत जाएंगे तो वह विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्य को कराएंगे। जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद ने कहा कि पूरा संगठन एकजुट होकर कार्य कर रहा है,कमलनाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार बनने जा रही है।मीटिंग में सभी कांग्रेसजनों से एकराय होकर कांग्रेस उम्मीदवार को भारी बहुमत से विजय बनाने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन कार्यालय प्रभारी योगेश शाक्य ने किया।बैठक में मुख्य रूप से इरशाद अहमद, पान सिंह सुमन,नयन सिंह राजावत,पंकज त्रिपाठी,भागीरथ कुशवाहा,श्रीमती रेखा भदौरिया, बलराम जाटव,दीपचंद तिवारी, रिजवान काजी,श्रीकृष्ण नरवरिया, राजवीर बघेल,धर्मेंद्र सिंह भदौरिया, मोहम्मद इसफान गम्मू ,राघवेंद्र सिंह राजू दोहरे,आनन्द शाक्य,रूप प्रकाश गोयल,हमीद खान,कृष्ण गोपाल चौरसिया,नईम खान पठान,दुष्यंत सिंघई,योगेश शाक्य,रामजीलाल शाक्य,यतेंद्र मिश्रा,अशोक कुमार जैन,सत्यपाल अगरेया,डॉ चिम्मनलाल हिंडोलिया,रामसिया पुरोहित सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

महा आरती के साथ धार्मिक आयोजन का किया गया समापन

गरबा महोत्सव में जमकर खेला डांडिया

पुष्पांजलि टुडे संवाददात
नरेश कुमार सिरवी पाली
राजस्थान

रानी पाली। चाचोड़ी स्थित गांधी चौक माता मंदिर प्रांगण में नवरात्रा गरबा महोत्सव मां दुर्गा की महा आरती कर धार्मिक आयोजन को किया गया समापन। गांव में 25 साल से डांडिया रास कार्यक्रम की परंपरा चली आ रही हैं लेकिन इस बार की गतिविधि में काफी कुछ रोमांस देखने को मिला। गांधी चौक के परिसर में अलग-अलग वेशभूषाओं के साथ युक्तियां पंडाल में पहुंचकर मां के दरबार में शीश नमन कर गरबो नृत्य किया। मां दुर्गा के दरबार में गरबो की धूम मची हुई7 गरबा महोत्सव के आखिरी दिन समापन पर युक्तियां ने जोश के साथ गरबा डांडिया खेला गया। धार्मिक आयोजन में सहयोग करने वाले भामाशाहों एवम पत्रकारों का पुष्प मानव एवं साफा पहनकर सम्मान किया। सोमवार की शाम को रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाते गरबा के पंडाल मे गुजराती व मारवाड़ी गरबा की धुन पर युवतिया थिरकते हुई नजर आ रही7 वही गरबा पांडाल में नृत्य के लिए महिलाओं की भारी भीड़ से पंडाल में जगह की कमी नजर आई। शक्ति व उपासना से वातावरण चारों ओर भक्तिमय बना दिया 7गांव का एकमात्र धार्मिक आयोजन जिसमें सर्व समाज के लोग हिस्सा लेते हैं। 7 जहां गरबा नृत्य के लिए पर छोटी -छोटी बालिकाओ मैं भी काफी उत्साह देखने को मिला 7 माता मंदिर परिसर में गरबा महोत्सव
में गुजराती मारवाड़ी हिंदी भाषा में फिल्मी गीतों के माध्यम से विधानसभा आम चुनाव 2023 आगामी 25 नवंबर को शत मतदान करने को लेकर मतदाताओं को जागरूक किया। मां चामुंडा मित्र मंडल सदस्य रणजीत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि डांडिया रास कार्यक्रम में मौजूद धर्म प्रेमियों को मतदान के बारे में विधिवत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी नृत्य करने वाले महिलाओं एवं बालिकाओं को पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत चाचोड़ी पीरा राम देवासी सह परिवार के उपस्थिति में पुरस्कार दिया गया।यह रहे मौजूद। सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित जेठू सिंह चंपावत पीरा राम देवासी कालुसिंह राजपुरोहित नाथू राम सिरवी दुर्गा प्रसाद मुकेश माली रामलाल भावरलाल मीणा गेवर राम देवासी

फुटकर एवं लघु व्यवसायिक प्रकोष्ठ में बालकदास जोशी जिलाध्यक्ष मनोनीत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह-। हर बर्ष की भांति इस बर्ष दशहरा के पावन पर्व मा बीजासेन की असीम कृपा से अंतरराज्यीय दंगल का आयोजन किया गया।इस दंगल में दूर दराज जगह के पहलवान अपने हुनर दिखाने आते है।दबोह में दंगल का आयोजन बर्षो से कराया जा रहा है।मंगलवार के दंगल में कुल 22 कुश्ती हुई जिनमे अधिकांश बराबरी पर छूटी तो कई कुश्ती में पहलवानों

ने अपने दांव के हुनर दिखाए।इस दंगल में पंजाब,ग्वालियर,भिंड,उत्तरप्रदेश, जैसे जगहों के व्यख्यात पहलवान पहुचे दर्शकों को सबसे ज्यादा रोमांचित किया नीरज ग्वालियर और प्रमोद शमशाबाद के पहलवानों की कुश्ती ने जिसमें प्रमोद विजय हुए।वही बीरेंद्र दतिया ओर जितेंद्र आगरा के बीच क?ो मुकाबला हुआ।जिसमें बीरेंद्र बिजय हुए इस कुश्ती पर समिति के द्वारा 4100 की बोली लगाई गई थी।वही इस दंगल की अंतिम कुश्ती 1500 हजार रुपये की कराई गई जो सचिन मथुरा और नबाब अली पंजाब के बीच हुई यह कुश्ती बराबर पर छूटी। इन पहलवानों को दंगल समिति ने लगी हुई इनाम की राशि भेंट की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष के पति नरेंद्र दुधारिया, काग्रेस के बरिष्ठ नेता शिवनारायण दुबे,नगर परिषद उपाध्यक्ष हाकिम कौरव,दीवान कौरव,रियाज खान, शेरे पठान,मकबूल पठान,धर्म सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

ग्राम गहेली थाना अमायन में मिलावटी दूध बनाने की सामग्री जप्त कर प्राथमिकी दर्ज कराई गई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर एवं अभिहित अधिकारी भिण्ड के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग टीम द्वारा मिलावटखोरों पर निरंतर छापामार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम गहेली थाना अमायन में दूध निर्माता दिनेश कुमार राठौर द्वारा मिलावटी दूध तैयार करने का कारोबार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग टीम द्वारा छापामार कार्रवाई कर मिलावटी दूध बनाने की सामग्री पकड़ी गई, जिसमें ग्लूकोस, दूध बनाने का घोल, रिफाइंड, दूध के चार नमूने लिए गए। साथ ही मौके पर 50 किलो दूध बनाने का तैयार घोल को नष्ट कराया गया तथा दिनेश कुमार राठौर के विरुद्ध थाना अमायन में प्राथमिकी दर्ज कराने की करवाई की गई। खाद्य विभाग की टीम में कु. रेखा सोनी एवं रीना बंसल खाद्य सुरक्षा अधिकारी भिण्ड उपस्थित रहीं।

सीरवी समाज के आर एस रोड मंदिर में नवरात्री पर्व संपन्न

भक्ति रस में श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया

पुष्पांजली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

मेसूरु. यहाँ की के आर एस रोड स्तिथ श्री आईमाता मंदिर के प्रांगण में श्री आईजी सेवा संघ व महिला मंडल एवं श्री आईजी गैर मंडल द्वारा नवरात्री पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पुरे नौ दिनों तक चले भागवत कथा में बालयोगी संत मनोज कुमार (मध्यप्रदेश) ने कथा वाचन किया जिनका समाज के संस्थापक सुराराम सोलंकी ने सम्मान किया गया साथ ही आयोजन में सहयोग करने वालो का भी समाज की और से सम्मान किया गया कार्यक्रम में चमराजा छेत्र के विधायक हरीश गवड़ा ने सिरकत की मंगलवार को अखंड व्रत करने वालो का सम्मान के साथ पारने खुलवाये गए इस अवसर पर सीरवी समाज के अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी,उपाध्यक्ष प्रभुराम पंवार,सचिव सुभाष काग, श्री आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, सचिव किशन लाल सानपुरा एवं मोहनलाल सोलंकी, मदनलाल सानपुरा, अणदाराम, मगाराम काग, तिलोक राम परिहार एवं श्री आईजी गैर मंडल के अध्यक्ष चेनाराम परिहार, महिला मंडल की अध्यक्ष विमला देवी गेहलोत,सचिव कमला देवी गेहलोत सहित बड़ी संख्या में लोगो ने भाग लिया। रूपाराम राठौड़ ने बताया कि 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से 9 बजे तक गरबा डांडिया नृत्य का आयोजन उसके बाद रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक प्रतिदिन कथा का आयोजन हुआ।

बलेपेट वडेर में होम अष्टमी पर तपस्वीयों ने हवन में दी आहुतियां

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू। सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट आईमाता वडेर भवन में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को होम अष्टमी के

संत रामप्रकाश महाराज को दी विदाई

दिन हवन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सुबह आईमाताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें नवरात्रि तपस्या करने वाले तपस्वीं सजोड़े ने पंडित रविप्रकाश मार्गदर्शन में विधिविधान पूर्वक पूर्णाहुति की गई। होम के मुख्य जजमान के लाभार्थी तुलछराम सुपुत्र चुन्नीलाल पंवार रहे। कथा वाचक संत रामप्रकाश महाराज ने कथा में राम लक्ष्मण के तरह रहने का संदेश दिया। कथा वाचक संत रामप्रकाश महाराज को बड़े ही धूमधाम से विदाई दी। संस्था के सचिव अमराराम चोयल ने सभी महानुभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरूदेव के बताये धर्म के मार्ग पर चलना ओर बुरी आदत को गुरूदेव को समक्षय छोड़ देना चाहिए । संस्था के अध्यक्ष हरीराम गेहलोत ने स्वागत किया। संस्था के सचिव अमराराम चोयल ने आभार व्यक्त किया। चोयल ने कहा कि जयकारों व महाआरती के साथ यज्ञ की पूर्णहुति हुई। उपवास करने वाले सभी तपस्वीयों का समाज की ओर से स्वागत किया गया। वही शाम को महिलाओं बच्चों ने जमकर गरबा खेला। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत, सचिव अमराराम चोयल, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, पूर्व अध्यक्ष नारायणलाल गेहलोत, पूर्व सचिव नारायणलाल लचेटा, पूर्व अध्यक्ष हेमाराम पंवार, पूर्व सचिव ओमप्रकाश बर्फा एवं महासभा के अध्यक्ष विरमराम सोलंकी सहित समाज के बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

कराटे नेशनल दिल्ली में हुआ हर्षिता और नौरीला सीरवी का चयन

हिन्द सागर,

जोधपुरू।बिलाड़ा की हर्षिता दाधीच ने गोल्ड जीतकर कराटे नेशनल में बनाई जगह जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में बिलाड़ा के 12 खिलाड़ियों ने भाग लिया सक्षम कराटे एकेडमी की कोच सेंसई सांची दाधीच ने बताया कि बिलाड़ा के खिलाड़ियों ने जिसमें हर्षिता दाधीच पुत्री सुभाष दाधीच सीनियर ऑफिसर आईटी डिपार्टमेंट निर्मेक्स सीमेंट ने कैडेट कैटेगरी में कुमिते में गोल्ड तथा काता में ब्रॉन्ज ,नोरिना सीरवी पुत्री हिम्मत सिंह ने कुमीते में गोल्ड ,निष्ठा दाधीच पुत्री कमल किशोर, मीनाक्षी राठौर पुत्री नवरतन चौधरी ने सिल्वर तथा सुहानी देवड़ा पुत्री राजेश देवड़ा, कृष्णल सीरवी पुत्री जितेन्द्र सीरवी, मानवी व्यास व सुहाना व्यास पुत्री डॉ पुष्पेंद्र व्यास, हंशू चौधरी पुत्री सुनील चौधरी ,सुषमा व निर्मल पुत्री/पुत्र सुरेश कुमावत तथा परमवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह ने कांस्य पदक जीता। इन सभी खिलाड़ियों का श्री सीरवी मोती सिंह स्टेडियम के कोच सुरेंद्र काग, टीकम सिंह, जितेंद्र सिंह राठौड़, एडवोकेट राजेंद्र पटेल एवं शारीरिक शिक्षक संघ के तत्वाधान में खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया माला से स्वागत किया गया सभी खिलाड़ी में खुशी की लहर इसी खेल मैदान से निकले खिलाड़ी अलग-अलग इवेंट्स में जिले में स्थान प्राप्त कर रहे हैं इन सभी खिलाड़ियों को राजस्थान शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष हापु राम चौधरी ने बधाई दी

भाजपा-कांग्रेस ने की जिले में जीत की पूरी तैयारी

प्रशासन भी मुस्तेद मतदान के लिए 5447 कर्मियों की लगाई गई ड्यूटी

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। सीहोर जिले में प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने अपने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इसके साथ ही अब वोटरों को लुभाने के लिए सभी प्रकार के जतन शुरू हो गए हैं। वहीं रूठे हुए पार्टी नेताओं को मनाने की कवायद की जा रही है। बुधनी से भाजपा प्रत्याशी के रूप में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अभिनेता से नेता बने विक्रम मस्ताल का मुकाबला है। इछावर में पूर्व मंत्री रहे और वर्तमान भाजपा विधायक करण सिंह वर्मा के सामने कांग्रेस ने पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल को प्रत्याशी बनाया है। सीहोर में विधायक सुदेश राय भाजपा से तो शशांक रमेश सक्सेना काँग्रेस से आमने सा ने होंगे। आष्ट सुरक्षित सीट भाजपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. गोपाल सिंह तथा कांग्रेस से कमल सिंह चौहान के बीच मुकाबला होगा। इसके चलते भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के पश्चात चुनाव ल?ने वाले अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थियों से नामांकन 30 अक्टूबर 2023 दोपहर 03 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर 2023 को की जाएगी तथा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 02 नवम्बर 2023 को दोपहर 03 बजे तक निर्धारित की गई है।निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए 10 हजार रूपए होगी निक्षेप राशि एसटी, एससी के लिए 5 हजार होगी निक्षेप राशिविधानसभा निर्वाचन ल?ने वाले अभ्यर्थियों के निर्वाचन के व्यय के लिए अलग से बैंक खाता होगा। निर्वाचन की अधिकतम व्यय सीमा 40 लाख रूपए है। चुनाव ल?ने वाले अभ्यर्थियों के लिए निक्षेप राशि 10 हजार रूपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निक्षेप राशि 5 हजार रूपए है।राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दलों के लिए एक प्रस्तावक तथा शेष के लिए 10 प्रस्तावक आवश्यक होंगे। संवीक्षा दिनांक तक अभ्यर्थी की उम्र 25 वर्ष होना आवश्यक है। अभ्यर्थी मध्यप्रदेश विधानसभा के किसी भी विधानसभा क्षेत्र का मतदाता हो सकता है, किन्तु प्रस्ताव संबंधित विधानसभा का होना आवश्यक है। यदि अभ्यर्थी अन्य विधानसभा क्षेत्र का मतदाता है, उन्हें संबंधित विधानसभा की मतदाता सूची के विवरण की सत्य प्रतिलिपि प्रस्तुत की जानी आवश्यक है। नाम निर्देशन के समय अभ्यर्थी के साथ अधिकतम 4 (1+4) व्यक्ति उपस्थित रह सकते है। एक अभ्यर्थी अधिकतम 4 नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकता है। अभ्यर्थी अधिकतम दो सीटो से नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

सुविधा एप के माध्यम से ऑनलाइन भी जमा कर सकते है अभ्यर्थी नामांकन-आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार कोई भी अभ्यर्थी ऑफलाइन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या सुविधा एप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन भी दाखिल कर सकता है और निक्षेप (जमानत) राशि का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कर सकता है। नामांकन फॉर्म के साथ अभ्यर्थी को फॉर्म-2 बी नामांकन फार्म, फॉर्म 26, शपथ पत्र व बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य सभी जरूरी दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे और किसी भी अभ्यर्थी को उसके आपराधिक रिकॉर्ड के प्रकाशन के लिये प्रारूप सी-1 एवं सी-4 देना होगा।

मतदान के लिए 5447 मतदान कर्मियों की लगाई गई ड्यूटी-जिले की चारों विधानसभाओं में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके के निर्वाचन कराने के लिए अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिले में निर्वाचन के लिए कुल 5447 मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें बुधनी से 1597, आष्ट से 1474, इछावर से 1210 तथा सीहोर से 1166 मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

संपादकीय

हमेशा ही हमारे आदर्श रहेंगे श्रीराम

क्या त्रेतायुग में भगवान राम का अवतरण केवल रावण और राक्षसों के वध के लिए ही हुआ था? इस प्रश्न का उत्तर कई लोग हां में दे सकते हैं पर इस सवाल का सही उत्तर यही है कि भगवान राम के अवतरण के अनेक कारणों से एक कारण यह भी था। राम अवतार की अनेक कथाएं हमें पढने को मिलती हैं, जैसे मनु और शतरुपा को दिए गए वरदान के फलस्वरूप वे अवतरित हुए, नारद द्वारा स्त्री वियोग के शाप के कारण उन्हें अवतार लेना पड़ा। देवी–देवताओं तथा पृथ्वी की प्रार्थना के फलस्वरूप वे जन्में। महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने भी इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कहा है–राम जन्म कर हेतु अनेका। राम के अवतार की अनेक कथाएं तो मिलती ही हैं, उनका जीवन भी विभिन्न दृष्टियों से देखा गया। एशिया में राम की अनेक कथाएं प्रचलित हैं। भारत की हर भाषा में राम की कथा किसी न किसी रूप में मौजूद है। काव्यों में ही नहीं लोककथाओं में भी राम का जीवन वर्णित किया गया है। गोस्वामी तुलसीदास भी संभवतरू इसी तथ्य से परिचित थे, इसलिए उन्होंने लिखा– रामायण सत कोटि अपारा। राम की कितनी ही कथाएं, लोक गाथाएं प्रचलित हों या लुप्त हों, राम पर कितने ही काव्य, महाकाव्य एवं ग्रंथ लिखे गए हों, इनमें राम के जीवन के किसी भी पहलू पर प्रकाश डाला गया हो, पर एक बात सभी कथाओं और काव्यों में समान है, और वह यह कि उनके जीवन का हर पक्ष आदर्श था। उन्होंने ये आदर्श एक साधारण मानव के रूप में, पुत्र के रूप में, एक भाई के रूप में, युवराज के रूप में, राजा के रूप में, धर्मरक्षक के रूप में तो निभाए ही, वे एक आदर्श एवं नीति पालक शत्रु के रूप में भी वे लोक मानस में स्थापित हैं। राम का धर्मरक्षक स्वरूप तो सर्वत्र दृष्टिगोचर होता है। ताड़का, खरदूषण से लेकर रावण तक का वध उन्होंने धर्म रक्षा के लिए ही किया। इस धर्मरक्षा के प्रति उनका आदर्श यही था कि सबको अपना–अपना धर्म एवं सिद्धांत मानने का अधिकार है। किसी को वह धर्म अपनाने के लिए विवश नहीं किया जा सकता, जिसे वह मानने के लिए स्वेच्छा से तैयार नहीं हो। दूसरे धर्म के मानने वालों की धार्मिक मान्यताओं में व्यवधान डालने का भी किसी को कोई अधिकार नहीं है। रावण वध तो भगवती सीता के अपहरण के अपराध के कारण हुआ था, पर उससे कई वर्षों पूर्व गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पर भगवान राम ने ताड़का वध क्यों किया था तथा पृथ्वी को निशाचर विहीन करने की प्रतिज्ञा क्यों की थी? सिर्फ इसीलिए कि राक्षस, ऋषि मुनियों के यज्ञों का विध्वंस करते थे तथा प्रतिकार करने वाले ऋषि मुनियों का वध कर देते थे। एक आदर्श पुत्र के रूप में राम के बारे में सभी जानते हैं कि खाने–खेलने के दिनों में वे पिता की आज्ञा से विश्वामित्र के साथ राक्षसों के विनाश के लिए वन चले गये थे। दूसरी बार भी राजतिलक के ऐन मौके पर पिता की आज्ञा से वन गमन किया। चौदह वर्ष का वनवास उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। वनवास में भी वे धर्म–संरक्षक के रूप में कार्यरत रहे। रावण द्वारा सीता का अपहरण करने के बाद भी वे एक नीतिपालक शत्रु होने का परिचय देते हैं। वानरों और रीछों की भारी सेना होने के बाद भी वे लंका पर एकाएक आक्रमण नहीं करते हैं, बल्कि रावण को समझाने के लिए अंगद को भेजते हैं। इस सबके बीच वे एक आदर्श मानव का परिचय देते हुए सामाजिक समरसता का भी संदेश देते हैं। शबरी के जूठे बेर खाना, भील–निषादों के प्रति सहृदयता दिखाना तथा वानरों को अपना मित्र बनाने एवं उन्हें बंधु के समान मानना भी एक आदर्श मनुष्य के गुण हो सकते हैं। नीतिपालक शत्रु के रूप में उन्होंने जहां मेघनाद की पत्नी सती सुलोचना को आदर दिया, वहीं उन्होंने अपने भाई लक्ष्मण को रावण से राजनीति की शिक्षा लेने का परामर्श दिया। साधारण पुरुष के रूप में उन्होंने परनारी सम्मान का भी संदेश दिया। राजा के रूप में तो राम का चरित्र अतुलनीय है। उनका राज्यकाल रामराज्य के रूप में प्रसिद्ध हुआ, जिसमें सर्वत्र सुख और शांति थी, जनता को कोई पीड़ा दुरुख या शोक नहीं था। राम ने एक राजा के रूप में इस आदर्श का भी परिचय दिया कि वे साम्राज्यवादी नहीं प्रजापालक थे। बालि के वध के बाद सुग्रीव को राज्य सौंपना तथा रावण के वध के बाद विभीषण को लंका सौंप देना, इसका प्रमाण है कि अपना साम्राज्य बढ़ाने की उनकी कोई लालसा नहीं थी, बल्कि वे अपनी प्रजा के तथा प्राणियों के कल्याण की ही भावना रखते थे। एक राजा के रूप में उनका यह आदर्श था कि एक साधारण व्यक्ति के कथन को महत्व देते हुए उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सीता को वनवास दे दिया था फिर भी वे एक पत्नीव्रती ही बने रहे। वस्तुतरू राम का जीवन इतना व्यापक प्रेरणादायी है कि उनके जीवन का हर अंश कहीं न कहीं आदर्श उपस्थिति कर देता है। आदर्श पुत्र, भाई, शासक और धर्मरक्षक के अलावा वे समाज में समरसता के संवाहक, शरणागत वत्सल, करुणा के सागर, श्रेष्ठ मित्र, दृढ़ संकल्पी के रूप में भी प्रेरणा देते हैं। ऐसा नहीं है कि भारतीय जनमानस राम के आदर्श स्वरूप से परिचित नहीं है। भारतीय जनमानस में राम कितने रचे बसे, हैं, इसके लिए उदाहरण देने की आवश्यकता नहीं है। हम जब कष्ट में होते हैं तो राम कहकर ही भगवान का स्मरण करते हैं। दो लोग जब मिलते हैं तो राम–राम ही कहा जाता है। राम के लोकमानस के रचे बसे होने का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि मनुष्य की अंतिम यात्रा में भी राम नाम सत्य के रूप में राम का और उनके नाम का ही स्मरण किया जाता है। राम के अवतरण के बाद सदियां बीत गयीं, पर उनकी कथा और उनके आदर्शों से हम आज भी परिचित हैं। भले ही हम आदर्शों और सिद्धांतों पर चल नहीं रहे हों, पर हर एक क्षण में आशा की यह क्षीण किरण रहती ही है कि कभी न कभी राम के यह आदर्श इस धरती पर अवश्य ही अवतरित होंगे। आशा की यही क्षीण किरण आज भी भारतीय संस्कृति के लिए आदर्श बनी हुई है।

इण्डिया गठबंधन पर स्वार्थ हावी

प्रेम शर्मा

सपा नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता अजय राय के बीच वादविवाद ने गठबंधनर में स्वार्थ का संकेत दे दिया है। अगले महीने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद विपक्षी एकता की कवायद के परवान चढ़ने की उम्मीद जताई जा रही थी।

भारत के राजैनतिक दलों में निजी स्वार्थ की पराकष्ठा पार हो चुकी है। इसी का परिणाम है कि भारत के राजनैतिक दल जनता के बारे मे कम और अपने बारे में ज्यादा सोचते और करते है। यही एक कारण है कि लम्बे अरसे से सत्ता से दूर रहने वाले दल सत्ता पाने की आतुरता में मुद्दे विहीन राजनीति के साथ ऐसे दलों के साथ गठबंधन को तैयार हो जाते है जिनके विचारों एवं कार्या में जमीन आसमान का अन्तर होता है। लोकसभा 2024 से एक वर्ष पूर्व इण्डिया गठबंधन का यही हाल है। इस नए गठबंधन को पहली बैठक इसी वर्ष जून में हुई थी। इस गठबंधन में कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, आप, जनता दल युनाइटेड, राष्ट्रीय जनता दल, जेएमएम, एनसीपी, शिवसेना (यूटीबी),समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावाडी),जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉफ्रेंस, पीडीपी, मकापा मार्कसवादी, सीपीआई, एमएमके, इण्डियन मुस्लिम लीग, केरल कॉंग्रेस एम, केराल कांग्रेस जोसेफ, आरएसपी, आल इण्डिया फारवर्ड ब्लाक, एमडीएमके, विदुथलाई चिरूथिगल काची, केएमडीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी लिबरेशन जैसे दल शामिल थे। निश्चित तौर पर इन सभी दलों के काम करने का तरीका अलग है। इन दलों की मूल मंशा भी लगभग एक दूसरे के विपरीत है। इन सभी दलों के प्रमुख नेताओं की पदलोलुपता और निजी स्वार्थ अलग अलग है। ऐसे में इस गठन पर स्वार्थ भारी पड़ रहा है। इस गठबंधन शामिल सपा का कांग्रेस पर हालिया हमला कार्ंग्रेस को धोखेबाज' और एक प्रदेश अध्यक्ष को चिरकुट कहना इस बॉत का संक्रेत हैं कि गठबंधन में स्वार्थ हो चुका है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और सपा की तल्खी से भाजपा विरोधी विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर क्या असर पड़ेगा? क्या लोकसभा चुनाव तक इंडिया गठबंधन एकजुट रह पाएगा? जैसा कि गठबंधन के गठन के समय लगता था कि ये दल बहुत गर्मजोशी से एकसाथ आ जाएंगे तो जमीन पर ऐसा नहीं दिख रहा है। जिनकी अपनी सीटों पर क्षेत्रीय ताकत है, उसे वो कैसे जाने दे सकते है? आगे क्या होगा, यह देखना होगा, लेकिन अभी तो यह परेशानी की शुरुआत दिखाई दे रही है। सपा नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता अजय राय के बीच वादविवाद ने गठबंनर में स्वार्थ का संकेत दे दिया है। अगले महीने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद विपक्षी एकता की कवायद के परवान चढ़ने की उम्मीद जताई जा रही थी। तब किसी ने यह नहीं सोचा होगा कि इन्हीं विधानसभाओं के चुनाव में विपक्षी गठबंधन ध्वस्त। के बिखराव का बीजारोपण भी हो जाएगा। समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच मची खींचतान से अब यह बात स्पष्ट होने लगी है कि विपक्षी गठबंधन बेमेल ब्याह की तरह है। अबी तो लोकसभा चुनाव में पांच–छह महीने की देर है। इसके पहले एन यानी नीतीश और ए यानी अरविंद–अखिलेश अलग होते दिख रहे हैं। लोकसभा चुनाव गठबंधन बिखर जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। बहरहाल अब राजनैतिक स्थिति बदल गई है। अब गैर कांग्रेस वाद बहुत पीछे चला गया है। अब लड़ाई गैर भाजपावाद की है। लेकिन अभी भी क्षेत्रीय दल अपनी जमीन पर कांग्रेस को खाद–पानी मुहैया नहीं कराना चाहते। चाहे यूपी हो, पंजाब हो, दिल्ली हो, बिहार हो, पश्चिम बंगाल हो। इसीलिए गाहे–बगाहे इन सभी राज्यों के क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस को कोसते रहते हैं। यह कांग्रेस का साथ केवल इसलिए दे रहे हैं क्योंकि इन सबके मुखिया भाजपा की जांच एजेंसियों से पीड़ित हैं और अकेले उनमें भाजपा से भिड़ने की हिम्मत नहीं है। लिहाजा यह मजबूरी और विवशताओं पर टिका हुआ गठबंधन है तो उसे गठबंधन नहीं कहते हैं। मजबूरियों का साथ कभी भी स्थाई नहीं होता है। ऐसे में कांग्रेस को यह समझना चाहिए। इन विधानसभा चुनावों से एक संदेश जाना चाहिए था। वैसे देखा जाए तो सभी क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की ही जमीन ली है। 1993 में जब मुलायम सिह को सरकार बनाने के लिए सीटें कम पड़ रहीं थीं, तब कांग्रेस ने समर्थन दिया था। उसी तरह सपा ने केंद्र में कांग्रेस को समर्थन दिया। दोनों एक दूसरे को स्पेस नहीं देना चाहते हैं। कांग्रेस के लोग मानते हैं कि अगर हमने मध्यप्रदेश में छह सीटें दे दीं और उनमें से तीन सपा जीत गई तो वो तीन कहां जाएंगे, यह कोई नहीं कह सकता है। इंडिया गठबंधन नेताओं के बीच हुआ गठबंधन है। 1975 के दौर की एकता अभी दिखाई नहीं देती है। गठबंधन की बैठकें शादियों में शामिल होने जैसी लग रही है। इसके अलावा क्षेत्रीय दलों एवं कई राज्यों में भाजपा विहीन सरकारें के मंत्री विधायक, गैर भाजपाई दलों के नेताओं पर ईडी, इनकम टैक्स जैसी तमाम एजेन्सियों का शिकजा लगातार कंसा जा रहा है। चाहे आम आदमी पार्टी के मंत्रियों एवं सांसद को जेल भेजने का मामला हो, चाहे तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई का मामला हो, चाहे सपा नेता आजम खॉ पर शिकंजा कसने का मामला हो। इस तरह के तमाम उदाहरण है जिसका विरोध एक सुर में इण्डिया गठबंधन नही किया गया। कारण स्पष्ट है कि केन्द्रीय जॉच एजेंसी ने इण्डिया गठबंधन के अधिकाधिक दलों के बड़े नेताओं पर शिकंजा कस रखा है। ऐसे में जिस भी दल ने ऑखें दिखाने और आवाज उठाने की कोशिश की उसकी गरदन दबोचने में केन्द्रीय एजेसियो तैयार है। जबकि गठबंधन के सभी नेता कांग्रेस से यही उम्मीद करते है कि जब केन्द्रीय जॉच एजेसिया कोई कार्रवाई करे तो कांग्रेस उनके साथ खड़ी हो, जबकि सभी को मालूम है कि कांग्रेस के खिलाफ काफी मामले केन्द्रीय जॉच एजेसियों के पास लम्बित है। कुल मिला गठबंधन के नेता नीतिश कुमार, अखिलेश यादव एवं अरविन्द्र केजरीबाल का मनमुटाव आने वाले समय में कई अन्य दलों को गठबंधन से दूर करता दिखाई पड़ेगा।

100 वर्ष पहले भी भारत ने की थी इजरायल की मदद

अफसोस इतिहास के पन्नों में दफन हो गई भारतीय वीरों की सौर्य गाथा

अंकित शुक्ला विशेष

घटना 23 सितंबर 1918 के प्रथम विश्व युद्ध की है। जब भारतीय घुड़सवार सैनिकों ने तोपो और तब की आधुनिक मशीन गनों का सामना भाले और तलवार से कर ऑटोमन सेना पर विजय प्राप्त किया जिसे इतिहास में हाइफा युद्ध के नाम से जाना जाता है। हाइफा उत्तरी इजराइल का बंदरगाह वाला शहर जो एक तरफ भूमध्य सागर से सटा है वहीं दूसरी तरफ माउंट कैरेमल की ऊंची पहाड़ियां है प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हाइफा पर जर्मन व तुर्की सेना का कब्जा था। हाइफा अपने रेल नेटवर्क और बंदरगाह की वजह से रणनीतिक तौर पर बहुत महत्वपूर्ण था। जो की मित्र देश को युद्ध का सामान और राशन पहुंचाने के लिए एकमात्र समुद्र का रास्ता था। हाइफा को जीते बिना प्रथम विश्व युद्ध जीतना असंभव था। हाइफा को तुर्की से आजाद करने की जिम्मेदारी ब्रिटिश सेना की थी। लेकिन ब्रिटिश सेना के लिए यह जंग जीतना आसान नहीं था। क्योंकि दुश्मन सेना ज्यादा ताकतवर थी। एक तरफ नदी तो दूसरी तरफ पहाड़ियां बीच में सकरा रास्ता हमला इसी रास्ते से संभव था। लेकिन यहां से हमला करना सीधे दुश्मन सेना के निशाने पर आना था। हाइफा में तुर्की जर्मनी और ऑस्ट्रिया की संयुक्त ऑटोमन सेना की चौकियां थी। तथा ऑटोमन सेना के पास भारी मात्रा में तोप गोला बारूद बंदूक गोलियां जैसी किसी भी चीज की कमी न थी। 21 सितंबर की आधी रात के बाद 18वीं किंग जॉर्ज के लांसर 13वीं ब्रिगेड का हिस्सा शहर के पश्चिम में आगे बढ़ रहे थे। जब उन पर ऑटोमन हाइफा बटालियन ने तोपो से हमला कर ब्रिटिश सेना के हमले को नाकाम कर दिया। तब ब्रिटिश सेना के अधिकारियों ने भारत की तीन रियासतों हैदराबाद मैसूर और जोधपुर से मदद की गुहार लगाई। रियासतों ने इस अपील को स्वीकार कर अपने सैनिकों को जंग के लिए भेज दिया। हैदराबाद के सैनिक मुस्लिम थे इसलिए उन्हें तुर्की से सीधे ना लड़ा कर बंदियों के प्रबंध कार्य में लगाया गया। तथा मैसूर व जोधपुर के सैनिकों को मिलाकर एक विशेष इकाई बनाई इन भर्तियों सैनिकों के साथ कुछ संख्या में अंग्रेज सैनिकों को भी रखा गया। 22 सितंबर को ब्रिगेडियर ब्रिटिश एडमन एलिन बी किंग को ऑटोमन सेना की भारी संख्या में मौजूदगी का पता चला उन्हें पता था ऐसे में सेना अंदर गई तो बच कर आना मुश्किल है। तत्काल उन्होंने सेना को युद्ध न करने का आदेश दिया अंग्रेजी सैनिक पीछे हट गए पर भारतीय सैनिकों को पीछे हटना मंजूर न था। मेजर दलपत सिंह शेखावत की अगवाई में कोई भी सैनिक अपने फर्ज से पीछे हटने को तैयार नहीं सवाल यह था अगर पीछे हट गए तो वापस जाकर अपने देश रियासत और परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे। जंग लड़ने के लिए तैयार भारतीय घुड़सवार सैनिकों के पास भाले और तलवार थी साथ ही पैदल चल रहे कुछ ब्रिटिश सैनिकों के पास बंदूके थी। भारतीय सेना को तुर्की सेना की चौकियां व तोपखाने को तबाह करने की जिम्मेदारी दी गई थी। तथा मेजर दलपत सिंह शेखावत ने जोधपुर सैनिकों को लेकर सामने की तरफ से हमला किया दूसरी तरफ मैसूर सैनिकों ने उत्तर की तरफ से भारतीय सैनिक भालों से तुर्की सेना को मौत के घाट उतारते जा रहे थे। लड़ाई की शुरुआत में ही दलपत सिंह शेखावत की मौत हो गई तत्पश्चात डिप्टी बहादुर अमान सिंह जोधा ने मोर्चा संभाला हमला इतनी तीव्र गति से और दो तरफा किया गया कि तुर्की सेना समझ न सकी बौखलाहट के कारण आधुंध गोलियां चलाना शुरु कर दिया एक–एक कर भारतीय सैनिक मर रहे थे और मरते भी जा रहे थे। लगभग दोपहर 2रू00 बजे तुर्की की अधिकांश चौकिया पर भारतीय सैनिकों ने कब्जा कर लिया और उन्हीं के हथियारों से उनको मारना शुरू कर दिया परिणाम स्वरूप दोपहर के लगभग 3रू00 बजे हाइफा शहर पर भारतीय सैनिकों का कब्जा हो गया और 4.00 बजे हाइफा शहर तुर्की की गिरफ्त से पूरी तरह आजाद हो चुका था। हाइफा का बंदरगाह ब्रिटिश सेना के हाथ में आने के परिणाम स्वरूप 400 सालो से राज कर रही ऑटोमन साम्राज्य का अंत हो गया। भारतीय सैनिकों की बहादुरी के लिए मेजर दलपत सिंह कैप्टन अनूप सिंह और लेफ्टिनेंट सागत सिंह को मिलिट्री क्रॉस से सम्मानित किया गया। तथा डिप्टी बहादुर अमान सिंह जोधा और जोर सिंह को इंडियन ऑर्डर ऑफ मेरिट पदक से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही वर्ष 1922 में इन वीरों की याद में दिल्ली में तीन मूर्ति चौक की स्थापना गयी। तथा इस स्थान का नाम तीन मूर्ति चौक रखा गया। वर्ष 2018 में इसराइल के राष्ट्रपति 6 दिवसीय भारत दौरे के दौरान वह सबसे पहले तीन मूर्ति चौक पर गए। तब से इस स्थान का नाम बदलकर तीन मूर्ति हाइफा चौक रख दिया गया है। यह पूरी घटना हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश कैवलरी में दर्ज है। प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को इजराइल में भारतीय सैनिकों के बलिदान को हाइफा दिवस के रूप में मनाया जाता है। तथा इजरायली बच्चों के पाठ्यक्रम में भारतीय वीरों की शौर्य गाथा पढ़ाई जाती है। उम्मीद करता हूं कि भारत सरकार भी इन सच्चे वीर सपूतों की वीर गाथा को भारतीय पाठ्यक्रम में शामिल करें।

मौसम और त्यौहारों से मुकाबला करता चुनावी रंग

राकेश अचल

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य अब कुछ–कुछ उभरने लगा है। इन पांच में से चार राज्यों में सभी प्रमुख दलों ने अपने–अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए है, जो बाकी हैं वे भी आज–कल में सामने आ जायेंगे। इससे अब मतदाताओं को अपना मन बनाने में सुविधा होगी। अब बचे–खुचे दिन मतदाताओं को रिझाने और रूठों को मनाने में खर्च किये जायेंगे। इस बीच मौसम ने भी करवट बदली है और हवा में गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। मौसम का रंग और चुनावी रंग त्यौहारों के रंग से मुकाबला करता नजर आ रहा है। इन विधानसभा चुनावों में सभी राजनीतिक दलों में मुख्यमंत्री के चेहरों को लेकर असमंजस है। सबसे ज्यादा असमंजस तो भाजपा में है। कांग्रेस में भी असमजंस की स्थिति है लेकिन भाजपा से कम। कांग्रेस के पास मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हालाँकि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को सब पहचान रहे हैं लेकिन राजस्थान में चुनाव परिणाम आने के बाद फैसला किया जायेगा। राजस्थान में अभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जादू पार्टी के भीतर और बाहर साफ नजर आता है। कांग्रेस के सामने ऐसी पशोपेश तेलंगाना में भी नहीं है। वहां भी प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में अघोषित रूप से घोषित किया गया है। मिजोरम में किसी भी दल के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है जो साफ तौर पर मुख्यमंत्री का चेहरा हो। यहां हर बार गठजोड़ की सरकार बनती है और इसमें भाजपा की भूमिका इस बार भी शायद नगण्य हो। कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के जितने भी नाम इन राज्यों में सामने आये हैं उन्हें लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और संतोष बराबर है। कांग्रेस ने इस असंतोष का सामना करने का शायद पहले से मन बना रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने साफ कहा है कि पार्टी के पास 4000 आवेदन थे लेकिन उम्मीदवार तो केवल 230 ही बनाये जा सकते है। ये हमारे नेता और कार्यकर्ता भी जानते हैं। हम रूठे लोगों को मना लेंगे। कांग्रेस में अभी जहाँ भी असंतोष के सुर सुनाई दिए हैं वहां चिंता की बात ज्यादा नहीं है। असंतोष को लेकर सबसे ज्यादा चिंता भाजपा में है । भाजपा में शिवराज,नाराज और महाराज भाजपा के बीच पहले से जंग चल रही थी। इस जंग को

प्रत्याशियों के चयन ने और बढ़ा दिया। इसी वजह से सबसे ज्यादा भगदड़ भाजपा में ही हुई।,जो अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। मध्यप्रदेश में भाजपा सत्ता विरोधी लहर के साथ ही पार्टी के आंतरिक असंतोष का भी सामना कर रही है ,लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को केवल आंतरिक असंतोष ही इतना भारी पड़ रहा है कि वो सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी जन भावना को भुनाने की स्थिति में आ ही नहीं पा रही है। इन राज्यों में भाजपा के अनेक येदुरप्पा हैं जो पार्टी हाई कमान को आँखें दिखा रहे हैं। भाजपा का मौजूदा हाई कमान पुराने और स्थापित नेताओं से आतंकित है इसलिए उन्हें किनारे कर देना चाहता है। लेकिन हाई कमान की यही कोशिश उसके गले की हड्डी बन गई है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने मौजूदा मुख्यमंत्री के सामने एक तरह से हथियार डाल दिए हैं लेकिन राजस्थान में वसुंधरा राजे के सामने हाई कमान की प्रत्यंचा अभी भी तनी हुई है। छग में डॉ रमन सिंह हाई कमान के सामने कभी तनकर खड़े नहीं हुए, इसलिए उन्हें अभी भी पसंद किया जा रहा है। तेलंगाना और मिजोरम में भाजपा की कलम अभी तक जड़ों में तब्दील ही नहीं हुई है। इन दोनों राज्यों में भाजपा सत्ता संग्राम का हिस्सा नहीं है। पांच राज्यों के चुनावों को लेकर भाजपा हाई कमान जितना तनाव में है उसे देखकर लगता है कि उसे इन राज्यों का रण आसान नहीं लग रहा। डबल इंजन की सरकार चलने के बाद भी मध्यप्रदेश में भाजपा के सामने चुनौतियाँ ही चुनौतियाँ हैं। मप्र में सत्ता बनाये रखना और राजस्थान तथा छग में सत्ता छीनना आसान काम नहीं है जबकि हाल ही में कर्नाटक जीत चुकी कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। मध्यप्रदेश में भी और राजस्थान में भी। छग में कांग्रेस की सरकार है और उसे फिलहाल कोई चुनौती भी नहीं है। तेलंगाना में केसीआर परिवारवाद के फेर में फंसकर उलझ गए है। वे मोदी के विरोधी हैं किन्तु आईएनडीआईए के समर्थक भी नहीं हैं इसलिए उनका जाना भी लगभग तय लग रहा है। मिजोरम में भी मणिपुर की आग का थोड़ा–बहुत असर तो है । मिजोरम ने मणिपुर में हुई हिंसा के बाद शरणार्थियों का बोझ उठाया है। जाहिर तौर पर इसके लिए भाजपा को ही जिम्मेदार माना जा सकता है। इन सभी राज्यों में लड़ाई के लिए भले ही चेहरे सामने नहीं है लेकिन लड़ाई होगी फेस टू फेस ही क्योंकि भाजपा के पास मुद्दे भी नहीं है और चेहरे भी, जबकि कांग्रेस के पास मुद्दे भी हैं और चेहरे भी। अर्थात सीधी लड़ाई में जो प्रत्याशी सबल होंगे वे जीतेंगे भले ही वे किसी भी दल के हों।

मोहम्मद शमी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, कुंबले को छोड़ा पीछे, पाई यह उपलब्धियां

हांगझू। धर्मशाला के मैदान पर क्रिकेट विश्व कप 2023 का अपना पहला मुकाबला खेलते ही भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपना जलवा दिखा दिया है। तेजतर्रार पिच पर जब न्यूजीलैंड पहले गेंदबाजी कर रहा था तो शमी ने पहली ही गेंद पर विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी की शुरूआत की। वह रुके नहीं, डैथ ओवर्स में भी बेहतरीन बल्लेबाजी की और 5 विकेट चटकाए। शमी इसी के साथ विश्व कप इतिहास में 2 बार पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले युवराज सिंह, कपिल देव, वेंकटेश प्रसाद, रॉबिन सिंह, आशीष नेहरा 1-1 बार यह कारनामा कर चुके हैं।

वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

44- जहीर खान
44 - जवागल श्रीनाथ
36 - मोहम्मद शमी
31 - अनिल कुंबले
29 - जसप्रीत बुमराह
28 - कपिल देव

क्रिकेट विश्व कप में जोरदार प्रदर्शन जारी

मोहम्मद शमी का विश्व कप में भारत के लिए खेलते हुए प्रदर्शन जोरदार रहा है। वह अब तक 12 मैचों में 15 की औसत से 36 विकेट ले चुके हैं। उनकी इकोनमी 5 तो स्ट्राइक रेट 17.6 रही है। शमी ने 2019 विश्व कप के 4 मैचों में ही 14 विकेट लिए थे। मौजूदा विश्व कप में भी उन्होंने पांच विकेट लेकर बेहतरीन शुरूआत की है।

शुभमन गिल के वनडे में सबसे तेज 2000 रन पूरे, हाशिम अमला का रिकॉर्ड टूटा

धर्मशाला। क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत धर्मशाला के मैदान पर टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल ने वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 2000 रन बनाने की उपलब्धि अपने नाम कर ली। शुभमन ने महज 38 पारियों में यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। उनसे पहले दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला ने 40 पारियों में 2 हजार रन बनाए थे। इससे पहले धर्मशाला में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए डेरिल मिशेल के शतक की बदौलत 273 रन बनाए थे। जवाब में शुभमन गिल ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर टीम इंडिया को अच्छी शुरूआत दी थी। शुभमन ने 26 रन बनाए।

सबसे तेज 2000 वनडे रन (पारी)
38 - शुभमन गिल, भारत
40 - हाशिम अमला, दक्षिण अफ्रीका
45 - जहीर अब्बास, पाकिस्तान
45 - केविन पीटरसन, इंगलैंड
45 - बाबर आजम, पाकिस्तान
45 - रैसी वैन डेर डुसेन, दक्षिण अफ्रीका

13 साल के बोर्निल ने खास उपलब्धि हासिल की, एशिया जूनियर बैडमिंटन के अंडर-15 में जीता खिताब

लंदन। भारत के अंडर-15 बैडमिंटन खिलाड़ी बोर्निल आकाश चांगमाई ने चीन के चेंगदू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में फैन होंग जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। लड़कों के एकल फाइनल में बोर्निल ने चीन के 14 साल के खिलाड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-13 से शिकस्त दी। असम के रहने वाले तेरह बरस के बोर्निल 2013 में सिरिल वर्मा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले दूसरे जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। बोर्निल ने टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में हमवतन जगशेर सिंह को हराया। बालिकाओं के वर्ग में तान्वी शर्मा अंडर-17 के एकल फाइनल में पहुंच गई हैं। बोर्निल के प्रदर्शन ने जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ियों की सफलताओं के सिलसिले को आगे बढ़ाया है। इससे पहले इसी महीने आयुष शेट्टी ने अमेरिका में विश्व बैडमिंटन जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया था। इसके अलावा सीनियर स्तर पर चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी ने युगल में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता और दुनिया में नंबर एक जोड़ी बनी। एच एस प्रणय ने एकल में कांस्य पदक जीता।

विश्व कप 2023 से बाहर हुए इंग्लिश तेज गेंदबाज रीस टॉपले

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रीस टॉपले अपनी तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण भारत में चल रहे विश्व कप से बाहर हो गए हैं।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार को एक बयान में कहा, समय आने पर टॉपले के प्रतिस्थापन की घोषणा की जाएगी।

चोट तब लगी जब टॉपले ने मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपनी ही गेंदबाजी पर गेंद को रोकने का प्रयास किया और उनकी उंगली चोटिल हो गई, जिसके बाद निराश होकर उन्होंने मैदान छोड़ दिया। हालाँकि, इसके बाद उन्होंने उंगलियों पर टेप लगाकर वापसी की और दो और विकेट लिए। लेकिन स्कैन से अब चोट की गंभीरता का पता चला है जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। जोफ्रा आर्चर, जो चोट के पुनर्वास पर हैं और भारत में टीम के साथ हैं, को पहले ही मुख्य कोच मैथ्यू मॉट द्वारा प्रतिस्थापन के रूप में बाहर कर दिया गया है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप से पहले, टॉपले को उस समय गंभीर चोट लगी जब वह बाउंड्री लाइन के पास कैचिंग अभ्यास करते समय विज्ञापन होर्डिंग पर फिसल गए, जिससे उनके लिगामेंट में चोट लग गई।

इससे पहले, उनकी पीठ पर कई स्ट्रेस फ्रैक्चर थे जिसके कारण अंततः सर्जरी करनी पड़ी थी। चल रहे विश्व कप में, टॉपले ने 8 विकेट लिए और चोटिल होने से पहले एक मैच न खेलने के बावजूद वह इंग्लैंड के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

फबियानों करूआना तीसरे बार बने यूनाइटेड स्टेट्स शतरंज चैम्पियन

सैंट लुईस। दुनिया के सबसे कड़ी नेशनल शतरंज चैंपियनशिप यूएसए चैस चैंपियनशिप का खिताब दुनिया के दूसरे नंबर खिलाड़ी यूएसए के फबियानों करूआना नें तीसरी बार अपने नाम कर लिया है । इस टूर्नामेंट के बाद करूआना फीडे रेटिंग में एक बार फिर से 2800 के करीब 2798 पर पहुँच गए है । करूआना नें 10 राउंड में 5 जीत और 5 ड्रॉ के साथ अपराजित रहते हुए 7.5 अंक बनाए । 6 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दोमिंगेज पेरेज दूसरे तो वेसली सो तीसरे स्थान पर रहे । भारतवंशी 14 वर्षीय अभिमन्यु मिश्रा 5.5 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे । भारत और यूएसए की नेशनल चैंपियनशिप की पुरूस्कार में बड़ा अंतर है जहां करूआना को पहले स्थान पर आने पर 60 हजार डॉलर मतलब तकरीबन 50 रुपेय है जबकि भारत में इस बार राष्ट्रीय चैम्पियन बने सेथुरमन एसपी को 6 लाख रुपेय मिले । इस प्रकार से देखे तो यूएसए और भारत की पुरुस्कार राशि में करीब 8 गुने का अंतर है ।

आईएसएल : पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को गोलरहित ड्रा पर रोका

जमशेदपुर। पंजाब एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में अपनी पहली जीत का इंतजार करना होगा, क्योंकि लीग की इस नई-नवेली टीम ने रात जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए आईएसएल सीजन 10 के संघर्षपूर्ण मुकाबले में मेजबान जमशेदपुर एफसी को गोलरहित ड्रा खेलने को मजबूर किया।

लीग में पंजाब एफसी ने अपना लगातार दूसरा ड्रा खेला, जो कि उसके मुख्य कोच स्टाइकोस वेरगेटिस को संतुष्ट करेगा। पंजाब एफसी चार मैचों में दो ड्रा और दो हार से दो अंक लेकर तालिका में दसवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, अपने घर पर इस ड्रा से जमशेदपुर एफसी के हेड कोच स्कॉट कूपर खासे नाखुश होंगे। रेड माइनर्स चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार से पांच अंक लेकर तालिका में सातवें से छठे स्थान पर आ गए हैं। पहला हाफ गोलरहित रहा। पंजाब एफसी ने किसी तरह से रेड माइनर्स को अपना गोल भेदने नहीं दिया, लेकिन वो खुद भी स्कोर नहीं कर पाई। लिहाजा, हाफ टाइम तक गतिरोध बना रहा। हाफ टाइम से पहले दोनों टीमों के बीच ज्यादातर भिड़ंत दिखाने पड़े। मेजबान जमशेदपुर एफसी का गेंद पर नियंत्रण 54 फीसदी रहा। लेकिन रेड माइनर्स

मिडफील्ड पर नजर आई। इस दौरान दोनों ओर से खूब टैक्लिंग हुई और फाउल किए गए। कुल ग्यारह फाउल (जमशेदपुर 6 और पंजाब 5) किए गए। हालांकि रेफरी सेंथिल नाथन ने कार्ड दिखाने में ज्यादा रुचि नहीं ली, लेकिन उन्हें दो येलो कार्ड (पंजाब एफसी के दोनों सेंटर-बैक दिमित्रियोस चैट्ज़ाईस और मेलरॉय मेल्विन अस्सिसी) अपने आठ शॉट में से एक भी टारगेट पर नहीं रख पाए। वहीं, पंजाब ने 46 फीसदी गेंद पर कब्जा रखकर अच्छा खासा संघर्ष किया। उसकी तरफ से लगाए गए तीनों शॉट टारगेट पर नहीं थे। यह आईएसएल में इन दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला था और दोनों ने पहली बार 0-0 से ड्रा खेलकर अंक बांटे।

भारत के खिलाफ हार के बाद कीवी कप्तान लैथम ने कहा-हमने 30-40 रन कम बनाए

धर्मशाला। भारत के खिलाफ 4 विकेट से मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के कार्यवाहक कप्तान टॉम लैथम ने कहा कि मिशेल और रवींद्र की साझेदारी के बाद न्यूजीलैंड को और अधिक रन बनाने चाहिए थे। 36वें ओवर की शुरुआत में सात विकेट हाथ में होने के बावजूद न्यूजीलैंड ने आखिरी 15 ओवरों में केवल 86 रन बनाए।

लैथम ने मैच के बाद कहा, मुझे लगा कि हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हो सकता है कि आखिरी दस ओवर में हम अपनी स्थिति का पूरा फायदा नहीं उठा पाए, लेकिन भारत ने आखिरी दस में जिस तरह से गेंदबाजी की, उसका पूरा श्रेय जाता है। उन्होंने शानदार गेंदबाजी की और हम शायद कुछ रन कम बनाए।

उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि उनकी टीम ने 30-40 रन कम बनाए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने पूरा फायदा उठाया। डेरिल और रचिन ने हमें अंतिम दस ओवर के लिए अच्छी साझेदारी कर हमें एक अच्छा मंच दिया था। न्यूजीलैंड की टीम एक समय डेरिल मिशेल और रचिन रवींद्र के बीच 159 रन की साझेदारी की बदौलत बड़े स्कोर

की तरफ बढ़ रही थी। 34वें ओवर में न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 178 रन हो गया था जब मोहम्मद शमी ने रवींद्र को लॉन्ग ऑन पर कैच करा दिया। वहां से, भारत नियमित अंतराल पर विकेट लेता रहा और न्यूजीलैंड को 273 रन तक सीमित कर दिया। अंत में भारत ने चार विकेट और 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा सफलतापूर्वक किया, यह भारत की लगातार पांचवीं जीत है। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट की जीत के साथ ही भारत पांच मैचों में पांच जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है, जबकि न्यूजीलैंड की चार मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया। भारत का अगला मुकाबला इंग्लैंड से 29 अक्टूबर को लखनऊ में होगा, जबकि न्यूजीलैंड का मुकाबला 28 अक्टूबर को धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया से होगा।

एशियाई पैरा खेल : भारत ने स्वर्ण पदकों से किया आगाज, प्रणव, शैलेश और निषाद को गोल्ड

हांगझोउ। भारत के प्रणव सूरमा ने हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के शुरुआती दिन सोमवार को यहां पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण जीता। इस स्पर्धा का रजत और कांस्य पदक भी भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहा। सूरमा ने 30.01 मीटर के प्रयास के साथ एशियाई पैरा खेलों का नया रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि धरमबीर (28.76 मीटर) और अमित कुमार (26.93 मीटर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में केवल चार प्रतियोगी थे जिसमें सऊदी अरब के राधी अली अलार्थी 23.77 मीटर के थ्रो के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

सूरमा 16 साल की उम्र में दुर्घटना

का शिकार हुए थे जिसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। वह इससे लकवाग्रस्त हो गए। इसके बाद पैरा खेलों में हाथ आजमाने का फैसला किया। 29 साल के इस खिलाड़ी ने 2019 बीजिंग विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री स्पर्धा में रजत पदक जीता था। एफ51 क्लब थ्रो स्पर्धा उन एथलीटों के लिए है जिनकी कमर के आस-पास, पैर और हाथों की गतिविधि काफी हद तक प्रभावित रहती है। इसमें प्रतियोगी बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं और कंधों तथा बांह के ताकत पर निर्भर रहते हैं। पुरुषों की ऊंची कूद टी63 श्रेणी में भी भारतीय के तीन खिलाड़ी शीर्ष तीन स्थान पर रहे लेकिन एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) नियमों के तहत इस स्पर्धा में केवल स्वर्ण और रजत प्रदान किए गए। इस स्पर्धा में सिर्फ तीन भारतीयों ने ही चुनौती पेश की थी। एपीसी के 'माइनस वन नियम' के तहत, शैलेश कुमार ने एशियाई पैरा गेम्स में 1.82 मीटर की रिकॉर्ड छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मरियप्पन थंगावेलु (1.80 मीटर) ने रजत पदक जीता। एपीसी नियमों के तहत गोविंदभाई रामसिंगभाई पाधियार (1.78 मीटर) कांस्य नहीं जीत सकते।

तीनों पदक जीतने के लिए कम से कम चार एथलीटों का मैदान में होना जरूरी है। थंगावेलु ने 2016 रियो पैरालंपिक में ऊंची कूद टी42 श्रेणी में स्वर्ण पदक और तोक्यो पैरालंपिक में टी63 में रजत पदक जीता था। टी63 वर्ग में एथलीट घुटने के ऊपर एक पैर में विकार के कारण कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं।

निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 वर्ग में 2.02 मीटर के प्रयास के साथ भारत के लिए दिन का तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में हमवतन राम पाल ने 1.94 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। टी47 वर्गीकरण कोहनी या कलाई के नीचे के अंग में विकार वाले खिलाड़ियों के लिए है। मोनू घनगास ने पुरुषों की गोला फेंक एफ11 स्पर्धा में 12.33 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की कैनो वीएल2 स्पर्धा में प्राची यादव ने 1:03.147 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया। न्यूजीलैंड की टीम एक समय डेरिल मिशेल और रचिन रवींद्र के बीच 159 रन की साझेदारी की बदौलत बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी, लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए कीवी टीम को 273 रन पर रोक दिया। खासकर मोहम्मद शमी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। 34वें ओवर में न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 178 रन हो गया था जब मोहम्मद शमी ने रवींद्र को लॉन्ग ऑन पर कैच करा दिया। वहां से, भारत नियमित अंतराल पर विकेट लेता रहा और न्यूजीलैंड को 273 रन तक सीमित कर दिया। अंत में भारत ने चार विकेट और 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा सफलतापूर्वक किया, यह भारत की लगातार पांचवीं जीत है। रोहित ने मैच के बाद कहा, जिस तरह से मिशेल

और रचिन रवींद्र ने बल्लेबाजी कर रहे थे, हम 300 से अधिक का स्कोर देख रहे थे,न्यूजीलैंड ने वहां एक बड़ी साझेदारी की। हालांकि विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान था, ओस भी आ रही थी। रोहित ने कहा, लेकिन मुझे चीजों को अच्छी तरह मैनेज करने और हमें मैच में वापस लाने के लिए गेंदबाजों को श्रेय देना होगा। कीवी टीम को 270 के आसपास रोकना एक बेहतरीन प्रयास था।

274 रनों रे लक्ष्य का पीछा करते हुए, रोहित ने 40 गेंदों में 46 रन बनाकर मंच तैयार किया, जिसके बाद विराट कोहली ने 95 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। कोहली और जडेजा ने छठे विकेट के लिए 78 रन जोड़कर जीत हासिल की।रोहित ने कोहली के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो कहने को ज्यादा कुछ नहीं है। हमने उन्हें कई सालों से ऐसा करते देखा है। इतना शांत दिमाग। वह खुद को प्रेरित करते हैं। अंत में थोड़ा दबाव था, हमने वहां कुछ विकेट खो दिए, लेकिन कोहली और रवींद्र जडेजा ने हमें वापस खींच लिया। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट की जीत के साथ ही भारत पांच मैचों में पांच जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है, जबकि न्यूजीलैंड की चार मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया। भारत का अगला मुकाबला इंग्लैंड से 29 अक्टूबर को लखनऊ में होगा, जबकि न्यूजीलैंड का मुकाबला 28 अक्टूबर को धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया से होगा।

विश्वकप 2023 : भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, दर्ज की लगातार पांचवी जीत

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम विश्वकप 2023 प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन दौर में चल रही है। भारत ने धर्मशाला में खेलते हुए न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया है।

इस जीत के साथ ही भारत ने विश्वकप प्रतियोगिताओं में पिछले 20 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया। पिछली बार वर्ष 2003 में विश्वकप में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को हराया था, उसके बाद खेले गए विश्वकप के किसी भी टूर्नामेंट में भारत किवी टीम को नहीं हरा सकी थी।

न्यूजीलैंड की ओर से मिले 274 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने सधी शुरुआत की। पहले विकेट के लिए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शानदार 71 रन जोड़े। गिल के 26 रन बनाकर आउट होते ही 76 के कुल योग पर रोहित भी 46 रन बनाकर चलते बने। फिर विराट कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर 52 रनों की साझेदारी की। यह जोड़ी अय्यर (33 रन) के आउट होने पर टूटी। इसके बाद केएल राहुल ने कोहली का

साथ दिया और दोनों ने चौथे विकेट लिए 54 रन जोड़े। तभी राहुल 27 रन बनाकर पगबाधा आउट हो गए। आखिर में कोहली ने रविंद्र जडेजा से साथ मिलकर टीम को जीत की पटरी पर लौटाया। लेकिन जीत से पांच रन दूर होने के समय विराट कोहली भी आउट हो गए। कोहली ने 95 रनों की शानदार पारी खेली। जीत के लिए शेष बचे रनों को जडेजा ने चौका जड़कर हासिल कर लिया। जडेजा 39 रन बनाकर नाबाद रहे। किवी टीम के लिए फर्ग्यूसन ने दो विकेट चटकाए जबकि बोल्ट, मैट हैनरी और सैंटनर को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 273 रन बनाए। किवी टीम के लिए डेरिल मिशेल ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 130 रन बनाए। मिशेल को रचिन रविंद्र (75 रन) का भरपूर साथ मिला जबकि ग्लैन फिलीप ने 23 रन का योगदान दिया।

भारत के लिए मो. शमी ने पांच विकेट झटके। शानदार गेंदबाजी के लिए शमी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले जबकि बुमराह और सिराज के खाते में एक-एक विकेट रहा।

जडेजा और कोहली मैच को हमारी पकड़ से दूर ले गए, हार के बाद बोला न्यूजीलैंड का ऑलराउंडर

धर्मशाला। भारत ने धर्मशाला में खेले गए वनडे विश्व कप 2023 में लगातार पांचवीं जीत दर्ज करते हुए न्यूजीलैंड को 4 विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर ने कहा कि उनकी टीम की नजरें 300 रन के स्कोर पर थी लेकिन अंततः वे इस स्कोर से पीछे गए। उन्होंने इसका कारण जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और सिराज को बताया। वहीं सेंटनर ने कहा कि रविंद्र जडेजा और विराट कोहली मैच को हमारी पकड़ से दूर ले गए। सेंटनर ने कहा, 'हमें अच्छा मंच तैयार किया था लेकिन आपको पता है कि (जसप्रीत) बुमराह, (मोहम्मद) शमी और सिराज का सामना करना कितना मुश्किल है। हमारी नजरें 300 रन के स्कोर पर थी जिसमें अंत में कुछ रन कम रह गए।' भारत के शीर्ष क्रम की सफलता पर उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि उनका शीर्ष क्रम कितना अच्छा है और उन्हें रोकना बेहद मुश्किल है। हमने अपनी योजनाओं पर ध्यान लगाया और इन्हें सर्वश्रेष्ठ तरीके से लागू करने का प्रयास किया। हमने दबाव भी बनाया लेकिन जडेजा और कोहली मैच को हमारी पकड़ से दूर ले गए। सेंटनर ने कहा, 'यह काफी कड़ा मुकाबला था। हम सभी को पता है कि भारत को उसके घर में हराना कितना मुश्किल है। हमें उन्हें कड़ी टक्कर दी। इस मैच से कुछ सकारात्मक पक्ष मिले हैं। डेरिल और रचिन ने शानदार प्रदर्शन किया। हम अंतिम 10 ओवर में उतनी अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। एकदिवसीय मैच में बीच के ओवरों में विकेट चटकाना महत्वपूर्ण होता है जो हमने किया इसलिए काफी सकारात्मक पक्ष हैं। ऑलराउंडर बनाम विशेषज्ञ खिलाड़ी की बहस पर उन्होंने भारतीय टीम के संदर्भ में कहा, 'आज आठवें नंबर पर शमी खेले जिससे शार्दुल (ठाकुर) के खेलने की तुलना में उनका निचला क्रम लंबा हो गया। शमी हालांकि काफी अच्छा सीम गेंदबाज है और आज तेज गेंदबाजों ने भारत के लिए अच्छा काम किया। एकदिवसीय मुकाबलों की घटती लोकप्रियता के बीच सेंटनर ने कहा कि किसी भी प्रारूप का खत्म होना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'आप नहीं चाहते कि कोई प्रारूप खत्म हो जाए।

आचार संहिता के उल्लंघन करने व प्रिंट रेट से अधिक दर पर शराब बिक्री पर दुकान सीज

एसडीएम हुजूर ने ग्राहक बनकर शराब दुकान में की छापेमारी

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। विधानसभा निर्वाचन 2023 को शांतिपूर्ण ढंग से सपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशन में जिले में आदर्श आचरण संहिता का क?ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में गत रात्रि एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी ने रीवा शहर के पीटीएस स्थित कम्पोजिट शराब दुकान में देर रात तक शराब विक्री किये जाने की शिकायत पर छापेमारी की। एसडीएम ने ग्राहक बनकर शराब की मांग की जिस पर दुकानदार ने उन्हें प्रिंट रेट से अधिक दर पर शराब विक्री की बात कही तथा कहा कि रात में शराब का यही रेट है। एसडीएम एवं रिटर्निंग आफीसर अनुराग तिवारी ने आचार संहिता के उल्लंघन करने व प्रिंट रेट से अधिक मूल्य पर शराब की कालाबाजारी करने पर शराब दुकान को तत्काल सीज करवाया। इस दौरान तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहर के सार्वजनिक स्थानों में पोस्टर के माध्यम से दिया जा रहा है मतदाता जागरूकता का संदेश

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा।. विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान कराने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन व पोस्टर के माध्यम से मतदाता जारूकता का संदेश आम लोगों को दिया जा रहा है। रीवा शहर के विभिन्न सार्वजनिक एवं भीड-भाड़ वाले स्थानों में मतदाता जारूकता से संबंधित पोस्टर लगाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दूसरे दिन 137 अभ्यर्थियों ने भरे 155 नामांकन

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में सोमवार को नाम निर्देशन पत्र भरे गए। नाम निर्देशन पत्र भरे जाने के दूसरे कार्य दिवस 23 अक्टूबर को प्रदेश में कुल 137 अभ्यर्थियों द्वारा 155 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए। श्री राजन ने बताया कि 30 अक्टूबर नामांकन फार्म भरने की अंतिम तिथि रहेगी। नामांकन की संवीक्षा 31 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 2 नवंबर है। पूरे प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

2 लाख 57 हजार 757 लाइसेंसी शस्त्र जमा कराएं

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता 9 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि पुलिस द्वारा शस्त्र लाइसेंस, विस्फोटक पदार्थों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश में 2 लाख 85 हजार 379 लाइसेंसी शस्त्र है। जिसमें से अब तक 2 लाख 57 हजार 17 लाइसेंसी शस्त्र जमा कराए गए हैं। 576 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। कार्रवाई के दौरान अब तक 1 हजार 705 अवैध हथियार, 426 कार्टिज, 2 हजार 428 विस्फोटक पदार्थ एवं 1 बम भी मिला हैं। ये सभी सामग्री जब्त कर ली गई है। प्रदेश में कुल 391 अंतरराज्यीय नाकों एवं 665 आंतरिक नाकों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। प्रदेश में 811 फ्लाईंग स्क्वायड (उ?नदस्ता), 942 सर्विलांस टीम (एसएसटी) एवं 76 क्रिक रिसपांस टीम (क्यूआरटी) कार्य कर रही हैं।

झांकियों में दर्शन कर विधायक ने की क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना

बैरसिया। विधायक और भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्र सहित नगर में कई झांकियों में माँ के दर्शन किये। इस दौरान उन्होंने महाआरती और महाभोगों में शामिल होकर महाआरती की तो वहीं महाभोगों में प्रसाद का वितरण किया। इसके अलावा क्षेत्र में हो रहे रामलीला मंचन में भी श्री खत्री ने शामिल होकर कलाकारों का हौंसला बढाया। गौरतलब है कि पिछले नो दिवस से क्षेत्र की जनता माँ की आराधना करने में जुटी हुई है। क्षेत्र में जगह-जगह माँ की झांकियां सुशोभित है। इस दौरान क्षेत्र में गरबा के आयोजन भी किये जा रहे है। माँ जगदंबा की झांकियों में पहुँचकर विष्णु खत्री ने अपनी विजय के लिए माँ से आराधना की। साथ ही क्षेत्र की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उनके साथ अनेक भाजपा कार्यकर्ता थे।

14 दिन में एनफोर्समेंट एजेंसियों ने की 90 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक की कार्रवाई

आदर्श आचरण संहिता के लागू होते ही सक्रिय हुई एजेंसियां

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाईयां की जा रही है। 9 से 22 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों (एफएसटी, एसएसटी और पुलिस) द्वारा 90 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक की कार्रवाई की गई है। संयुक्त टीम ने 12 करोड 8 लाख 32 हजार 300 रुपये नगद, 18 करोड़ 36 लाख 82 हजार 499 रुपये की अवैध शराब, 8 करोड़ 78 लाख 54 हजार 200 रुपये के मादक पदार्थ, 27 करोड़ 46 लाख 89 हजार 782 रुपये की अमूल्य धातु, सोना-चांदी/ ज्वेलरी तथा 23 करोड़ 95 लाख 99 हजार 881 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में साल 2018 में हुए विधानसभा निर्वाचन में एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा 72 करोड़ 93 लाख रुपये की कार्रवाई की गई थी। यह कार्रवाई 6 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच की है। प्रदेश में साल 2018 में 6 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता लागू हुई थी।

सी-विजिल ऐप से आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की मिली 2402 शिकायतें

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की अब तक 2402 शिकायतें प्राप्त हुई है। ये सभी शिकायतें सी-विजिल एप के माध्यम से मिली है और इन सभी शिकायतों का त्वरित समय में निराकरण किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हुई है। आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की जानकारी त्वरित मिल सके, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल ऐप तैयार किया गया है। यह एप आदर्श आचरण संहिता के लागू होते ही सक्रिय हो गया है। एप के माध्यम से कोई भी नागरिक आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की किसी भी तरह की शिकायत फोटो, वीडियो के माध्यम से कर सकता है। शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित निराकरण किया जा रहा है। श्री राजन ने बताया कि गूगल प्ले स्टोर पर जाकर कोई भी नागरिक अपने एंड्रॉयड मोबाइल पर एप को डाउनलोड कर सकता है।

स्टेट जीएसटी ने चार सौ संदिग्ध व्यवसाइयों के विरूद्ध की कार्रवाई

भोपाल। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग की मंशानुसार निर्वाचन कार्य को स्वच्छ सुचारू तरीके से संचालित करने के लिये प्रवर्तन एजेंसियों को फेक/बोगस इनवाइस जारी करने वाले व्यवसाइयों से मुफ्त में बांटी जाने वाली वस्तुओं के डाटा विश्लेषण कर एवं जानकारी एकत्र कर वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा संदिग्ध कर दाताओं के विरूद्ध लगातार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वाणिज्यिक कर आयुक्त श्री लोकेश कुमार जाटव के निर्देशन में स्टेट जीएसटी विभाग द्वारा प्रथम चरण में सेक्टोरल एनालिसिस कर, कर अपवंचन में लिप्त सेक्टर विशेष के अंतर्गत आने वाली एवं इवेजन प्रोन कमोडिटियां जैसे गारमेंट्स/कपड़ों, घरेलू सामान/बर्तन, मोबाईल आदि इलेक्ट्रॉनिक्स, कास्मेटिक्स, पानमसाला, लिकर आदि से संबंधित व्यवसाइयों पर प्रवर्तन की कार्रवाई की गई थी। द्वितीय चरण में फेक/बोगस इनवाइस जारी करने वाले व्यवसाइयों के विरुद्ध सशक्त कार्रवाई के उद्देश्य से वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में संदिग्ध पंजीयत करदाताओं का निर्धारित पैरामीटर्स जैसे रजिस्ट्रेशन के लिये प्रस्तुत दस्तावेज, मोबाइल, पैन आदि का विवरण, प्रस्तुत रिटर्न, इनवर्ड आउटवर्ड सप्लाई आदि के आधार पर चिन्हांकन किया जाकर भौतिक सत्यापन/निरीक्षण की कार्य योजना बनाई गई। व्यवसाइयों के पंजीयन प्राप्त करने के लिये उपयोग किये गये दस्तावेजों, पेन नंबर, ई-मेल एड्रेस एवं मोबाइल नंबरों पर दर्ज अन्य नवीन पंजीयनों का डाटा एनालिसिस, फील्ड से प्राप्त गोपनीय सूचनाओं के साथ किया गया। ऐसे नवीन पंजीयत व्यवसाइयों का भी चिन्हांकन किया गया, जिनके द्वारा सम्पूर्ण कर-देयता का समायोजन बोगस आईटीसी से किया गया है। विभिन्न डाटा स्त्रोतों पर उपलब्ध डाटा एवं अन्य राज्यों से प्राप्त सूचनाओं के उक्त पैरामीटर्स के अनुसार सघन विश्लेषण के आधार पर प्रदेश में 396 बोगस करदाताओं का चिन्हांकन किया गया। जिनमें से राज्य क्षेत्राधिकार वाले 179 व्यवसाइयों का भौतिक सत्यापन किया गया। केन्द्रीय क्षेत्राधिकार के 217 व्यवसाइयों पर धारा 67(1) के अंतर्गत निरीक्षण की कार्यवाही की गई। 396 चिन्हांकित व्यवसाइयों में से प्रथमदृष्टया 102 व्यवसायी बोगस/अस्तित्व हीन/नॉन-फंक्शनल पाए गए। संदिग्ध/बोगस व्यवसाइयों के द्वारा बिना वास्तविक व्यवसाय के फेक आईटीसी प्राप्त एवं अग्रेषित करते हुए वास्त्विक कर-देयता को इस गलत आईटीसी से समायोजन कर कैश के माध्यम से डिस्पोज होने वाली कर-देयता को प्रभावित कर शासकीय राजस्व को क्षति पहुँचाई जाना संभावित है। प्रथम दृष्टया इन व्यवसाइयों के द्वारा बिना किसी वास्तविक व्यवसाय के केवल फर्जी बिल जारी किया जाकर राशि रुपये 21 करोड़ का कर अपवंचन किया जाना प्रतीत होता है। संदिग्ध/बोगस पाए गए व्यवसाइयों के विरूद्ध जी.एस.टी. पंजीयन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ उक्त फर्मों की इनवर्ड एवं आउटवर्ड ट्रेल का विश्लेषण कर उक्त फर्मों से संबद्ध अन्य फर्मों के विरूद्ध आईटीसी रिवर्सल एवं शास्ति की कार्रवाई की जाएगी। विशेष आयुक्त श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि प्रवर्तन कार्यवाही से ऐसे बोगस/अस्तित्वहीन/ नॉन-फंक्शनल व्यवसाइयों के द्वारा बिना किसी वास्तविक व्यवसाय के केवल फर्जी बिल जारी किए जाने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोकथाम के द्वारा शासकीय राजस्व की क्षति को रोका जा सकेगा और निर्वाचन आयोग की मंशानुसार निर्वाचन कार्य को स्वच्छ सुचारू तरीके से संचालित करने संबंधी निर्देशों के अनुपालन में फेक इनवाइसिंग को नियंत्रित करने के साथ-साथ राजस्व सुरक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सकेगी।

राष्ट्रों के बीच व्यापार, विकास बेहतर बनाने के लिए जागरूकता: शिवानी जैन एडवोकेट

ऑल ह्यूमन सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हर साल 24 अक्टूबर को विश्व विकास सूचना दिवस मनाता है। 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विकासात्मक समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें हल करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता के लिए विश्व विकास सूचना दिवस की स्थापना की। थिंक मानवाधिकार संगठन की एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा कि इनमें उस भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो आधुनिक सूचना-प्रौद्योगिकियां, जैसे कि इंटरनेट और डिजिटल विभाजन से मुक्त मोबाइल टेलीफोन, लोगों को सचेत करने और व्यापार और विकास की समस्याओं का समाधान खोजने में निभा सकती हैं। विश्व विकास सूचना दिवस का एक विशिष्ट उद्देश्य युवा लोगों को सूचित करना और प्रेरित करना था और यह परिवर्तन इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

शार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जैन,शालू सिंह एडवोकेट, सुनीता जी, विमला चौधरी, मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक डॉ एच सी विपिन कुमार जैन, संरक्षक डॉक्टर राजेंद्र कुमार जैन, आलोक मित्तल एडवोकेट, रामबाबू वर्मा एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट ,निदेशक डॉक्टर नरेंद्र चौधरी, डॉ एनके शर्मा आदि ने कहा कि विश्व विकास सूचना दिवस 2023 का उद्देश्य देशों में विकास समस्याओं को हल करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की ताकत

का उपयोग करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास से जनता की राय एकत्रित की जाती है ताकि विवादों को भी शीघ्रता से हल किया जा सके और राष्ट्रों के बीच विकासात्मक परियोजनाएँ चलाई जा सकें। विश्व विकास सूचना दिवस 2023 विभिन्न राष्ट्रों की विकासात्मक परियोजनाओं के साथ सेमिनार आयोजित करता है और राष्ट्रों के बीच व्यापार, बुनियादी ढांचे के विकास आदि को कैसे बेहतर बनाया जाए, इस पर लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठकों का निर्देशन करता है, विचारों को साझा किया जाएगा और जनता की राय लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की जा सकती है। ताकि उनकी समस्याओं को समझना आसान हो।

यदि रावण वाला कर्म- मांस, शराब का सेवन, दूसरे की औरत को गलत नज़र देखोगे तो रावण जैसा ही हश्र होगा

उज्जैन म.प्र पर्व और त्योंहार मनाने के पीछे छिपे असली उद्देश्य और संदेश को सरल शब्दों में बताने-समझाने वाले ताकि सभी इनसे मिलने वाले भौतिक और आध्यात्मिक लाभ को प्राप्त कर सके, इस समय के युगपुरुष पूरे समरथ सन्त सतगुरु उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 23 अक्टूबर 2023 को जयपुर में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि रावण के अहंकार ने उसकी विद्वता, शक्ति, तपस्या का नाश कर विनाश करवा दिया। रावण कौन था। बड़ा विद्वान, बलवान, बड़ी शक्ति ताकत वाला था। बहुत तपस्या, मेहनत किया था। पूजा भक्ति करते-करते शिव की इतनी शक्ति रावण के अंदर आ गयी थी कि कहता था जमीन से स्वर्ग तक सीढ़ी लगा दूंगा और सीढ़ी पर चढ़कर के लोग स्वर्ग पहुंच जाएंगे।

भारत के गुजरात में भूकंप का सबसे बड़ा खतरा!

विनाश लीला शुरू! प्रकृति ले रही बदला!,

दुनिया चाहे कितनी भी आगे बढ़ जाए, कितनी ही बड़ी आधुनिक हथियार या मशीन तैयार कर ले, लेकिन ये प्रकृति से जीत नहीं सकती, प्रकृति तो अपना बदला लेकर ही रहती हैं. ये कहना हैं भारत के भविष्यवक्ता अभिषेक सिंघल जी का. जी हाँ ये अपनी भविष्यवाणी के लिए सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और इन्होंने हाल ही मे सोशल मीडिया पर अपनी भविष्यवाणी शेयर की हैं कि दुनिया मे जल्द ही बहुत बड़ा भूकंप आने वाला हैं और भारत के गुजरात में सबसे बड़ी तबाही हो सकती हैं. भविष्यवक्ता अभिषेक सिंघल को आँखों के सामने भविष्य नजर आता हैं और ये भूकंप के कंपन को मेहसूस भी कर लेते हैं और ये शक्ति इनके पास बचपन से ही हैं. इन्होंने अपनी आँखों के सामने दुनिया मे भूकंप से तबाही का मंजर देखा लेकिन भारत के गुजरात में सबसे बड़ी तबाही देखी और साथ में देखा कि तबाही के बाद हर जगह एम्बुलेंस की लाइन लगी हैं. इन्होंने जनता से गुजारिश की हैं कि आप सभी लोग भूकंप के झटके महसूस होने के बाद किसी खुले स्थान में निकल जाए ताकि आप सभी लोग सुरक्षित रह सके.

भ्रमित युवा पीढ़ी को सही राह दिखाती सहजयोग पर आधारित कलाकृति

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुभाष घई के शिष्य प्रशांत नाइक द्वारा निर्देशित, फिल्म %महालक्ष्मी पथ% परम पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा दिए गए एक अमूल्य उपहार सहज योग के माध्यम से अपनी आंतरिक आध्यात्मिकता की खोज करने वाले चार परिवारों की गहन यात्रा को कलात्मक रूप से प्रदर्शित करती है। बहुप्रतीक्षित सिनेमाई रव, ÷महालक्ष्मी पथ - द इवोल्यूशन,÷ 27 अक्टूबर, 2023 को सिनेमा थिएटर्स में रिलीज होगी। दिवाली के पूर्व एक अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा पर निकलें और पाइये सहजयोग की ÷महालक्ष्मी शक्ति÷ का अनुभव इस 125 मिनट की बॉलीवुड स्टाइल में बनी फिल्म ÷महालक्ष्मी पथ - द इवोल्यूशन के साथ। ये फिल्म प्रशंसित गृहलक्ष्मी-द अवेकनिंग की अगली कड़ी है । निर्देशक प्रशांत नाइक ने कहा– फिल्म महालक्ष्मी पथ ङ्क द इवोल्यूशन का निर्माण एक दिव्य अनुभव रहा है, जिसमें श्रीमाताजी के आशीर्वाद और सहज योग द्वारा परिवर्तित व्यक्तियों की प्रामाणिक और संवेदनशील कहानियों को चित्रित किया गया है। हमें उम्मीद है कि फिल्म दिलों और आत्माओं को छूकर गुजरेगी । निर्माता डॉ. संजय रोशन तलवार ने जोर देकर कहा, ÷फिल्म ध्यान और ईश्वर की दिव्य आशीर्वाद की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करती है। ध्यान की गहराई नियति का पुनर्निर्माण करने की क्षमता रखती है। कशिश गोस्वामी, आदित्य कोठारी, निशांत पराशर, भूमिका शर्मा, प्रथम गटकल, वीणा मोरे, श्रद्धा तलवार, राज जुत्शी, दिव्या त्रिपाठी, बानी चोपड़ा, डॉ. मिथिला बगई, रुचिका लोहिया, डॉ. संजय रोशन तलवार, अनु वर्मा, एनएन टिक्कू, राम विजयवर्गीय और जयंत पाटनकर आदि कलाकार इस फिल्म में मौजूद है । यह फिल्म जटिल पारिवारिक संघर्षों , आध्यात्मिक जागृति और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दैवीय कृपा की भूमिका का एक सम्मोहक अन्वेषण है। महालक्ष्मी पथ-द इवोल्यूशन÷ एक सिनेमाई उत्कृष्ट कृति के रूप में खड़ा है जो नियति, अनुग्रह और सहज योग ध्यान की परिवर्तनकारी क्षमता तथा आध्यात्मिकता और मानवीय भावनाओं का संतुलित मिश्रण है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म अपने पहले रिलीज चरण में पूरे भारत में 5 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में 50 स्क्रीनों पर रिलीज होगी। सपरिवार इसका आनंद प्राप्त करें। आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट पर देख सकते हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर गुढ़ की तकदीर बदलने गुढ़ का बेटा जुटा रहा है जन समर्थन

गुढ़ क्षेत्र की जनता पहली स्थानीय प्रत्याशी पाकर अत्यंत उत्साहित

पुष्पांजली टुडे रीवा

गुड़,रीवा। कुंवर कपिध्वज सिंह के सघन जनसंपर्क, को मिल रहा है जनता जनार्दन का अपार समर्थन

गुढ़ विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में लंबे समय से बाहरी प्रत्याशियों का बोल वाला रहा है, जिसकी वजह से क्षेत्र की जनता में भारी असंतोष व्याप्त है, बाहरी प्रत्याशी यहां से विधायक बनते रहे हैं इसी बात का खामियाजा गुढ व गुढ़ की जनता को बार बार भुगतना पड़ा है, यही वजह है कि यह पूरा का पूरा क्षेत्र उपेक्षित है, तथा विकास से कोसों दूर है, परंतु पहली बार राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने गुढ़ विधानसभा क्षेत्र को स्थानीय प्रत्याशी देकर क्षेत्र की जनता के सम्मान का विशेष ख्याल रखा है, वहीं स्थानीय प्रत्याशी यानी कि गुढ़ क्षेत्र की माटी में ही जन्मे अपने लाल को पाकर क्षेत्र की जनता का उत्साह चरम पर है, जनसंपर्क के दौरान जनता में उत्साह भी देखा जा रहा है, वहीं कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब को प्रत्याशी के रूप मे पाकर जंहा क्षेत्र की जनता जोश में है, वहीं कुंवर कपिध्वज सिंह को भारी मतों से विजयी बना कर विधानसभा भेज कर अपना प्रतिनिधित्व सौंपने को बेताब तथा पूरी तरह से कृत संकल्पित है, यही नहीं लंबे समय से गुढ़ क्षेत्र की जनता का दोहन व शोषण करने वाले भाजपा विधायक नागेंद्र सिंह को नेस्तनाबूद कर गुढ़ की धरती से इस कचरे को वापस जरहा भेजने का काम करेगी,गुढ़ क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए गए गुढ़ के लाल कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब रविवार को अपने सघन जनसंपर्क के दौरान गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के खोखम पहुंचे जहां हनुमान मंदिर में दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात वंहा पर आयोजित सामूहिक आमसभा को भी संबोधित किया, और क्षेत्रीय जनों से आत्मीय मेल मुलाकात करते हुए बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया, इसके बाद खोखम गांव में ही विराजमान माताजी का दर्शन कर वंहा भी एक सामूहिक सभा को संबोधित किया,खोखम के बाद कांग्रेस प्रत्याशी श्री सिंह गुढ़ विधानसभा

क्षेत्र के रघुनाथपुर (खैरी) पहुंचे जहां खैरी में विराजमान माता रानी का दर्शन लाभ प्राप्त किया और एक सामूहिक आमसभा मे जन आशीर्वाद प्राप्त किया, रघुनाथपुर (खैरी) के बाद कांग्रेस प्रत्याशी मगुरिहाई पहुंचे जहाँ चौराहे में विराजमान माता रानी का दर्शन प्राप्त कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया, और यहां पर आयोजित नुक्कड़ सभा में सम्मिलित हुए, रविवार को चुनावी जनसंपर्क के दौरान अगली कड़ी में कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब विधानसभा क्षेत्र के खैरा पहुंचे और यहां आदिवासी बस्ती में आयोजित आमसभा में सम्मिलित होकर जनसमर्थन जुटाने का कार्य किया, और आदिवासी समाज के अलावा अन्य पिछड़े और शोषित बांचित परिवारों के साथ ही आदिवासी भाइयों को उनका हक और अधिकार दिलाने आश्वासन दिया गया, और कहा कि आदिवासी भाइयों के कंधे से कंधा मिलाकर गुढ़ क्षेत्र के भविष्य का निर्माण किया जायेगा। इस सभा के पश्चात भइया साहब सीधे खैरा पहुंचे जंहा दो सभाओं को संबोधित किया जिसमें नई बस्ती के अलावा खैरा गांव में हनुमान मंदिर प्रांगण की सभा शामिल है, आयोजित चुनावी जनसभा में क्षेत्र व जनता के लिए उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिनाई, इसके पश्चात कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब सीधे बेलहा पहुंचे जहां रामायण सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित सार्वजनिक ज़नसभा में सम्मिलित हुए, और ज़नसभा को संबोधित किये, इसके बाद आगे के क्रम में कुंवर साहब तमरी पहुंचे जहां हरिजन बस्ती में भी आयोजित सार्वजनिक आमसभा को संबोधित किया, और देव तुल्य मतदाताओं से आग्रह करते हुए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में समर्थन देने की अपील की और कहा कि समस्त माता बहनों और बुजुर्गों का आशीर्वाद पाकर मैं स्वयं को अभिभूत समझता हूँ, आपके आशीर्वाद से क्षेत्र की समस्त जनता जनार्दन की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होगा इस बात का संपूर्ण विश्वास है, साथ ही उन्होंने जनता को विश्वास दिलाया कि इस बार आप सब को निश्चित रूप से ही भाजपा सरकार व क्षेत्र के भ्रष्ट विधायक के कुसाशन से मुक्ति मिलेगी, वहीं लोगों ने भी अपना उत्साहवर्धन दिखाते हुए अस्वस्थ किया है की पूर्ण बहुमत के साथ मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाकर भ्रष्टाचार से निजात पाने का कार्य करेगी।

यहाँ के बाद अगली कड़ी में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत तमरी पहुंचे, जहां जमुना प्रसाद शुक्ला एवं बीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित सार्वजनिक आमसभा में सम्मिलित होकर चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद यह क्रम लगातार जारी रहा जिसके तहत शाम में कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब तमरा पहुंचे ओर तमरा में आयोजित सार्वजनिक ज़न सभा में सम्मिलित हुए तत्पश्चात पडिया पहुंचे जहाँ रमेश सिंह एवं राजभान सिंह के नेतृत्व में आयोजित सार्वजनिक आमसभा को संबोधित करते हुए स्वयं को कांग्रेस पार्टी का विधायक बनाने व जन समर्थन दिए जाने की अपील की गई।

हेयर कलरिंग
से बदलें अपना रूप

फैशन और सौंदर्य एक दूसरे के पर्याय है। जिस प्रकार कपड़ों का फैशन दिन प्रतिदिन बदल जाता है उसी प्रकार मेकअप, स्टाइल और हेयर कट और स्टाइल का भी ट्रेड बदल जाता है। अगर आप बालों को एक नया रूप, नया स्टाइल देना चाहती है तो हेयर कलर एक बेहतरीन उपाय है। लेकिन हेयर कलर कराने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है आप भी जानिए। शुरूआत कुछ इस तरह करे।

रंगों के पहिए को घुमाएं और देखें कि कैसे-कैसे रंग बिखरते है-

पीला, नीला, लाल, बैगनी, नारंगी और हरा।

ये सभी प्राइमरी और सेकेंडरी रंग है जो हमारे बालों को एक नया रूप देने में काम आते है। जैसा कि हम सभी जानते है कि आज हेयर कलरिंग, हाइलाइटिंग और स्ट्रीकिंग आदि फैशन में है। इसकी शुरुआत आज से दस साल पहले हो गई थी जब सुनहरे बालों वाली अपने बालों को कॉपर और रेड रंग से स्ट्रीकिंग करती थी लेकिन अब काले बालों वाली लड़कियां भी अपने बालों को विभिन्न रंगों से संवार रही है।

आजकल बालों का जो वास्तविक रंग है उसे पूरी तरह बदलकर दूसरे रंगों का प्रयोग का चलन काफी बढ़ गया है। बड़े परदे पर दिखने वाली तमाम अभिनेत्रियों के बालों का रंग हर तीन-चार माह में बदल जाता है। इसके पीछे भी कारण यही होता है- बालों के वास्तविक रंग को ट्रांसफॉर्म कर देना।

बालों को कलर कराने में सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जो भी कलर कराएं वह आपके रंग, चेहरे और व्यक्तित्व को पूरी तरह सूट करे। इसलिए अलग-अलग स्किन टोन के मुताबिक हेयर कलर कराने पर आप अपने रूप को पूर्णतया बदल सकती है।

गोरी रंगत

अगर आप गोरी है तो बहुत भाग्यशाली है। आप सौम्यता और ठंडक का एहसास दिलाने वाले कलर्स जैसे कि आप ब्लॉन्ड कलर्स करा सकती है, जो इस समय सबसे ज्यादा फैशन में है। गोरी युवतियों पर कॉपर और लाल रंग से हाइलाइटिंग बहुत अच्छी लगती है। इसके अलावा कॉलेज जाने वाली लड़कियां फंकी कलर्स का भी प्रयोग कर सकती है जैसे आधा ब्लॉन्ड और आधा रेड।

गेहूंआ रंग

गेहूएं रंग वाली युवतियों पर कॉपर और ब्लॉन्ड की हाइलाइटिंग बहुत फबती है। ऐसी रंगत वाली लड़कियां अगर पूरे बालों को रंगना या कलरिंग कराना चाहती है तो उन पर ऑबर्न या चेस्टनट या फिर माहोगनी की गहरी टोन ज्यादा सूट करेगी। अगर वे ब्लॉन्ड या कॉपर कलर से हालाइटिंग कराती है तो इस नए प्रयोग के लिए उन्हे अपने को ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए पूरे रूप को संवारना होगा।

सांवली रंगत

सांवली रंगत के लिए कुछ डीप जोन हाइलाइटिंग ज्यादा सूट करती है जैसे- पर्पल, रेड, और रेड पैशन से हाइलाइटिंग।

बालों को कलर कराने के बाद उनकी सही देखभाल बहुत जरूरी होती है, क्योंकि हर कलर में थोड़े-बहुत केमिकल जरूर होते है। बालों को अत्यधिक रूखा और बेजान होने से बचाने के लिए और कलर को कई दिनों तक बरकरार रखने के लिए उसकी जरूरी देखभाल जरूर करे।

कैसे करे देखभाल

कलर बालों की देखभाल के लिए आपको हफ्ते में एक बार सिर्फ दस मिनट का समय निकालना होगा। इसके लिए कलर शैंपू, कंडीशनर और डीप इंटेसिव हेयर मास्क का इस्तेमाल बेहतर होता है। कलर बालों की देखभाल के लिए लोरियल, क्यूने और यूरोप की एक ब्रांड इकोजलाइन के हेयर प्रोडक्ट काफी अच्छे माने जाते है।

गर्मी में आपके कलर्ड हेयर अतिरिक्त देखभाल मागते है, क्योंकि धूप से भी आपके बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए कलर शैंपू करने के बाद बालों पर लीव-ऑन कंडीशनर लगा सकती है, जो सूर्य की अल्ट्रावायलट किरणों से बालों को सुरक्षा प्रदान करेगा।

जिनके बाल घुंघराले और बेजान हों, उन्हे नियमित देखभाल की विशेष जरूरत होती है। उन्हे ऐसे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जो बालों को एक फर्म, या मजबूती प्रदान कर उनमें लचीलापन और चमक भी लाए।

जो स्त्रियां लगातार अपने बालों में कलरिंग, स्ट्रेटनिंग या री-बॉडिंग कराती है उन्हे किसी अच्छे पार्लर में एक्सपर्ट के जरिए रिकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम लेना चाहिए। यह प्रोग्राम बालों में पूर्णतया नई जान डालेगा।

स्वस्थ रहे आपके बाल

यह बात हमेशा ध्यान रखें कि बालों को प्रोटीन की बहुत जरूरत होती है। अगर आपका खानपान बेहतर होगा तो उसकी झलक आपके बालों में जरूर दिखेगी। आपके बालों में एक अलग ही चमक होगी। आप ध्यान दें कि बाजार में बालों की देखभाल, विकास और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जितने भी उत्पाद उपलब्ध है वे ज्यादातर प्रोटीन बेस्ड होते है।

बालों के लिए विटामिन बी बहुत महत्वपूर्ण है। आपने हेयर प्रोडक्ट्स पर पैनथेनॉल का नाम जरूर पढ़ा होगा। यह बी कॉम्प्लेक्स और प्रोटीन के जरिए आपके बालों को स्वस्थ और मुलायम बनाता है।

तो फिर आप बेफिक्र अपने बालों को दें अपना पसंदीदा रंग और बदल डालें पुराने स्टाइल को। इससे न सिर्फ आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा बल्कि आपमें गजब का आत्मविश्वास भी जगेगा।

हाथों की शान बढ़ाते कंगन

कपड़े और एक्सेसरीज के साथ ही दुल्हन के लिए खास होते है कंगन। मॉर्केट में मौजूद है इनकी ढेरों डिजाइनर वैरायटीज..

शादी में दुल्हन के लिए जितना क्रेज लहगे का होता है, उससे कई गुना अधिक वो ध्यान देती है कंगन की खरीददारी में। लहगे की अहमियत तो जयमाल के समय होती है लेकिन कंगन शादी के कई माह बाद तक नववधू के हाथों की शोभा बढ़ाते है। नई-नवेली दुल्हन जींस, सलवार और साड़ी के साथ शादी में पहने गए कंगनों को शान से धारण करती है।

सदाबहार प्लेन कंगन

शिवाला के चूड़ी विक्रेता राशिद बताते है, प्लेन कंगन हमेशा डिमाड में रहते है। लाल रग शादी में शुभ माना जाता है इसलिए भले ही नववधू कितने ही डिजाइनर कंगन क्यों न खरीदें लेकिन वह लाल व महरून कंगनों को खरीदना नहीं भूलती। फैशन के लिहाज से भी यह कंगन सदाबहार रहते है। इनकी बिक्री पूरे वर्ष बनी रहती है।

हर ड्रेस से मैचिंग

अगर प्लेन से अलग स्टाइलिश लुक चाहती है तो नग वाले कंगनों का चयन बेहतर रहेगा। यह मेटल और लाख दोनों में ही आते है। जूईल डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है अगर आप ट्रेड के हिसाब से कंगनों का चयन करती है तो मेटल वाले कंगनों के बीच में लाख के नग वाले कंगनों को ट्राय कर सकती है।

पारपरिक है बीकानेरी

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती है, शादी में पारपरिक बीकानेरी कंगनों की डिमाड खास होती है। चटख रगों के इन कंगनों की विशेषता है कि इनका रग फेड नहीं होता। लाल और महरून रग के बीकानेरी कंगन उत्तर भारत में शादी के अवसर पर नई दुल्हन के लिए शुभ माने जाते है।

लिखवाएं दिल की बात

बिसाती बाजार के चूड़ी विक्रेता नईम भाई बताते है, इन दिनों जीवन साथी का नाम कंगनों पर लिखवाने का ट्रेड जोरों पर है। हमारे पास बहुत सी ऐसी गर्ल्स आती है जो कंगनों पर अपना और अपने होने वाले पति का नाम या दिल बनवाती है। यह काम ऑर्डर पर किया जाता है और नगों के हिसाब से इसका चार्ज कंगनों की कीमत से अलग लिया जाता है।

हिट हैं हाई हील्स

गर्मी की दस्तक के साथ ही बदल गया है फुटवेयर का अंदाज। हाई हील्स है इन दिनों फैशन में। दरअसल स्मार्ट समर फैशनेबल आउटफिट्स के साथ परफेक्ट कांबिनेशन हैं हाई हील्स। हाई हील पहनने से लंबाई अधिक व फिगर स्लिम प्रतीत होता है और खूबसूरत दिखने का आत्मविश्वास पैदा होता है। इस तरह फैशनेबल एक्सेसरी के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने के लिहाज से भी हाई हील्स का चुनाव है उपयुक्त। स्टिलटो, पम्प इत्यादि स्टाइल्स में से आप अपनी पसंद के अनुरूप कुछ भी चुन सकती हैं। यह फैशन का ही असर है कि इन दिनों बाजार में हाई हील्स में कलर्स और डिजाइन्स की व्यापक रेंज उपलब्ध है। लुई विता, शैनल, गुच्ची, जिम्मी चू जैसे बड़े व छोटे विभिन्न ब्रांड्स ने रेड, ब्लू, पिंक, ग्रीन जैसे मनचाहे सिंगल कलर्स के साथ ही एनीमल व फ्लोरल प्रिंट्स में पेश की हैं आकर्षक हाई हील फुटवेयर। इनके अलावा फ्रंट में स्ट्रैप से लेकर दो कलर्स के कॉबिनेशन वाली हाई हील्स भी है युवतियों के बीच बेहद लोकप्रिय। अब आपको क्या पसंद है, यह आप स्वयं तय करें।

शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।

सिंधिया ने शमी के पौधे से प्रतीकात्मक तलवार लगाई, लोगों ने सोने के प्रतीक पत्तियां लूटी

ग्वालियर, सिंधिया राजघराने के मुखिया केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पुत्र महाआर्यमान के साथ शाही लिबास पहनकर सोमवार की शाम को 300 वर्ष से चली आ रही परंपरा का निर्वाहन पवित्र शमी वृक्ष का पूजन कर किया। राजपरिवार के पुरोहितों वैदिक मंत्रोच्चरण के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया ने परंपरागत रूप से पूजन किया। पूजन के उपरांत सिंधिया ने म्यान से तलवार निकालकर प्रतीकात्मक रूप से शमी पौधे से तलवार लगाई, उसके साथ ही लोग शमी की पत्तियां लूटने के लिए टूट पड़े। शमी की पत्तियों को सोना मानकर लूटा जाता था। पहले इन पत्तियों को सरदार लूटते थे। अब राजनीतिक दलों के नेता लूटते हैं और महल में विजयादशमी पर लगने वाले दरबार ए खास में यह पत्तियों को महाराज को भेंट करते थे। अब भी प्रतीकात्मक दरबार महल में दरबार लगा। सिंधिया राजपरिवार के मुखिया को सरदारों ने कतारबद्ध खड़े होकर यह पत्तियां भेंट कर शुभकामनाएं दीं। हालांकि शमी पूजन के बाद सिंधिया गोरखी स्थित देवघर पूजन व दर्शन करने के लिये जाते हैं।

दशमी लगने पर किया पूजन– नगर में विजयादशमी का पर्व मंगलवार को मनाया जाएगा। महल से जुड़े सरदारों ने बताया कि यह पूजन सूर्यास्त के बाद किया जाता है। दशमी मंगलवार की दोपहर को हैं इसलिए दशमी शुरु होते ही शमी पूजन किया गया, जबकि चर्चा है कि किसी बैठक के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को दिल्ली बुलाया गया है। पहले उनका सुबह साढ़े नौ बजे जाने का कार्यक्रम था। अब दिल्ली फ्लाइट से जाएंगे।

यह लोग थे मौजूद– सरदारों के अलावा शमी पूजन में भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, मोहन सिंह राठौर, टिकट नहीं मिलने से नाराज चल रहे मुन्नालाल गोयल, सुरेंद्र शर्मा सरपंच, बालखांडे सहित काफी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

चुनाव में बढ़ेगी आधी आबादी की भागीदारी, बुजुर्गों का आशीर्वाद हुआ कम

ग्वालियर । विधानसभा चुनाव 2023 में इस बार 80 साल से अधिक आयु के 17505 वोटर मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में ये संख्या 22065 थी, लेकिन इस बार अंतिम मतदाता सूची में 4560 नाम हटाए गए हैं। इसी प्रकार सात लाख 66 हजार 263 महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी। पिछले चुनाव में इनकी संख्या सात लाख 36 हजार 714 थी। इनकी संख्या में 29 हजार 549 का इजाफा हुआ है। जिले में सर्वाधिक महिला मतदाता ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में हैं, जिनकी संख्या एक लाख 55 हजार 261 है। वहीं दूसरे नंबर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या एक लाख 41 हजार 623 है।

इस बार जिले की लगभग 64.47 फीसदी आबादी को वोट डालने का अधिकार प्राप्त है। चार अक्टूबर को प्रकाशित हुई मतदाता सूची के अनुसार जिले के कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 16 लाख 25 हजार 768 है, जबकि कुल आबादी 25 लाख 21 हजार 841 है। तरह से जिले में 64.47 प्रतिशत आबादी को मतदान का अधिकार प्राप्त है। पिछले विधानसभा चुनाव में जिले की 64.02 प्रतिशत आबादी को वोट डालने का अधिकार था। जिले में आठ लाख 59 हजार 446 पुरूष, सात लाख 66 हजार 263 महिला व 59 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। पिछले

विधानसभा चुनाव की तुलना में जहां जनसंख्या और मतदाताओं का अनुपात ब?ा है, वहीं लिंगानुपात अर्थात महिलाङ्कपुरूष मतदाताओं के अनुपात में भी ब?ा इजाफा हुआ है। पहले लिंगानुपात प्रति हजार पर 852 था, जो इस बार ब?कर 892 हो गया है। जिले में सबसे अधिक मतदाता ग्वालियर पूर्व विधानसभा में और सबसे कम मतदाता डबरा विधानसभा क्षेत्र में है। ग्वालियर पूर्व में मतदाताओं की संख्या तीन लाख 30 हजार 404 है, जबकि डबरा विधानसभा क्षेत्र में दो लाख 41 हजार 482 मतदाता हैं ।

विधानसभा क्षेत्रवार ये है लिंगानुपात– जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में महिला मतदाताओं का लिंगानुपात प्रति हजार पर 863, ग्वालियर में 893, ग्वालियर पूर्व में 887, ग्वालियर दक्षिण में 929, भितरवार में 881 एवं डबरा के मतदाताओं का लिंगानुपात 899 हो गया है।

छह महीने में 38 बार वंदे भारत पर पथराव, 16 बार बदले गए कांच

ग्वालियर। रानी कमलापति स्टेशन से ग्वालियर होते हुए हजरत निजामुद्दीन तक जाने वाली ट्रेन क्रमांक 20171-20172 वंदे भारत एक्सप्रेस पर छह महीने में 38 बार पथराव की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा घटनाएं आगरा से झांसी रेल खंड के बीच हुई हैं। इन घटनाओं में 30 बार ट्रेन की खिड़कियों पर लगे कांच को नुकसान हुआ है, जिनमें से 16 कांच अभी तक बदले गए हैं। गत रविवार को ट्रेन पर हुई पथराव की घटना के बाद आरपीएफ के जवान एक बार फिर सक्रिय हुए हैं।गत रविवार को आगरा से झांसी रेलखंड पर हेतमपुर-सिकरौदा के बीच असामाजिक तत्वों ने निजामुद्दीन से ग्वालियर की ओर आ रही वंदे भारत ट्रेन के सी-13 कोच पर पत्थर मारे। इसके चलते कोच की सीट नंबर 50 का कांच टूट गया। पथराव होने के बाद ट्रेन में सवार यात्री दहशत में आ गए। ट्रेन की ग्वालियर और झांसी स्टेशन पर जांच की गई। इससे पहले गत 23 अगस्त को भी सिथौली से संदलपुर के बीच ट्रेन पर हुए पथराव के चलते सी-9 कोच की 28 नंबर सीट का कांच टूट गया था।हालिया घटना के बाद आरपीएफ ने ट्रेन पर पथराव करने वालों की तलाश शुरू की है, लेकिन अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। रेल अधिकारियों के मुताबिक असामाजिक तत्व इस ट्रेन को विशेष तौर पर निशाना बनाते हैं। पथराव से ट्रेन का नुकसान पहुंच रहा है और यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया है।गौरतलब है कि वंदे भारत ट्रेन शुरुआत से ही पत्थरबाजों के निशाने पर रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों पर पथराव की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ दिनों पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने ग्वालियर प्रवास के दौरान इन घटनाओं को राजनीति से प्रेरित बताया था।

सज संवरकर चली रेलगाड़ी, आंखों में चश्मा, सिर पर पगड़ी लगा किया टिमली डांस

ग्वालियर. । शहर का नजारा सोमवार को अलग था। जगह-जगह माता के भजनों से पूरा शहर भक्ति रस में ठूबा था। जयति जयति मां जगदम्बे..., केसरिया रंग ताने लगायो..., तू तो काली रे कल्याणी मां... आदि भजनों पर शहरवासियों ने गरबा महोत्सव में मां की आराधना की। इस दिन सैकड़ों लोग प्रतिभागी बने तो सैकड़ों लोगों ने दर्शक बन आनंद लिया। इस दिन गुजराती, भोजपुरी गीत भी आकर्षण का केंद्र रहे। शहर में सबसे बड़ा आयोजन श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर की ओर से जीवाजी क्लब में हुआ। यहां छुक-छुक रेलगाड़ी व टिमली डांस आकर्षण का केन्द्र रहा।

कृष्ण-राधा बन की मां की आराधना– श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर की ओर से आयोजित श्रीजी गरबा डांडिया में सैकड़ों प्रतिभागी रिंग के अंदर जोश से भरे थे। कभी बालीवुड सांग तो कभी भजन पर वे कदम थिरका रहे थे। महोत्सव के अंतिम दिन प्रतिभागी सज संवरकर रिंग में पहुंचे। आंख में चश्मा, सिर पर पगड़ी बांध, हाथ में और गले में हैवी ज्वैलरी पहन खूब लोगों को आकर्षित किया। किसी ने कृष्ण का रूप रखा तो कोई राधा बन मां की आराधना करते नजर आए। प्रोग्राम प्रमोटर केतन के अग्रवाल एवं नितिन के अग्रवाल ने बताया कि इस इवेंट में 30 कैटेगरी में पुरस्कार दिए गए।

शहर में कई जगह हुआ गरबा डांडिया महोत्सव

नृत्य में दिखी हर संस्कृति की झलक– बसंत विहार में चले रहे गरबा महोत्सव का समापन हुआ। इस बार के आयोजन में कई तरह के बदलाव रहे। बालीवुड, बंगाली, भोजपुरी और गुजराती संस्कृति के बीच राजस्थानी संस्कृति की छटा भी गरबा नृत्य में देखने को मिली। तीन ताली और बालीवुड स्टाइल ने दर्शकों को भी थिरकने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि भी गरबा रिंग में उतर गए और अपने नृत्य से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर डा शोभा सिकरवार एवं समाजसेवी डा केशव पाण्डेय मौजूद रहे।

स्पेशल राउंड में मिला आडियंस को मौका– महिला पतांजलि योग समिति की की ओर से छत्री बाजार में गरबा डांडिया कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर योग शिक्षिका अमिता त्रिपाठी अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों ने मां की आरती से कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान स्पेशल राउंड भी रखा गया, जिसमें आडियंस को भी मौका दिया गया। कार्यक्रम में पार्षद ममता अजय तिवारी, अनिता करकरे, गायत्री शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बेस्ट ड्रेस का खिताब नमित को– खंडेलवाल क्रिएटिव ग्रुप की ओर से गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भरत खंडेलवाल, गोपाल दास खंडेलवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस का खिताब नमित खंडेलवाल, बेस्ट मेल शगुन, बेस्ट फीमेल वेणु, बेस्ट डांस शालिनी को दिया गया।

दशहरे पर शस्त्र पूजन, जानें...क्यों इसी दिन पूजे जाते हैं हथियार, पुलिस लाइन में दी जाती है कुम्हेड़ा की बलि

ग्वालियर, असत्य पर सत्य की विजय का पर्व....विजयादशमी। इस दिन शस्त्र पूजन का विधान है। बंदूक से लेकर तलवार, कटार, लाठी तक की पूजा होती है। पूरे साल इसी दिन हथियारों की पूजा होती है। यहां तक कि पुलिस खुद भी हथियारों का पूजन करती है और पुलिस लाइन में तो कुम्हेड़ा की बलि दी जाती है। इसे तलवार से काटकर दो भागों में किया जाता है। आइए हम बताते हैं- इसके पीछे की मान्यता, आखिर क्यों इसी दिन पूजे जाते हैं हथियार।चुनाव में बढ़ेगी आधी आबादी की भागीदारी, बुजुर्गों का आशीर्वाद हुआ कमस्क्क श्चद्यद्गष्ह्लद्बश्ठ्ठ 2023न् चुनाव में बढ़ेगी आधी आबादी की भागीदारी, बुजुर्गों का आशीर्वाद हुआ कम

1- इस दिन प्रभु श्रीराम ने रावण का वध कर माता सीता को दशानन की कैद से मुक्ति दिलाई थी। प्रभु श्रीराम ने युद्ध पर जाने से पहले हथियारों का पूजन किया था।

2- मां दुर्गा ने महिषासुर नाम के राक्षस का वध इस दिन कर बुराई का अंत किया था। इसके बाद उनके हथियारों का पूजन देवताओं ने किया था।

3- प्राचीन काल में राजा युद्ध पर जाने के लिए पूरे वर्ष दशहरे के दिन का ही इंतजार करते थे, कहा जाता था- इस दिन युद्ध पर जाने से विजय मिलती है। युद्ध पर जाने से पहले हथियारों का पूजन किया जाता था। राजा, सेनापति और सैनिक हथियारों का पूजन कर युद्ध पर निकलते थे।

पुलिस अफसर कहते हैं- समाज के दुश्मनों के लिए हथियार की जरूरत पड़ती है, यह शक्ति का प्रतीक, इसलिए पूजन

पुलिस अफसरों से जब इस बारे में पूछा तो बताया कि सालों से पुलिस महकमे में दशहरे पर हथियारों के पूजन की परंपरा चली आ रही है। समाज के दुश्मनों से हथियार ही रक्षा करते हैं। यह शक्ति का प्रतीक हैं। दशहरे पर इनका पूजन किया जाता है, साफ-सफाई की जाती है जिससे जरूरत पड़ने पर यह सकारात्मक ऊर्जा के साथ काम आएं। नवरात्र में शक्ति की पूजा होती है, चारों तरफ सकारात्मक ऊर्जा होती है। कुम्हेड़े की बलि इसलिए दी जाती है, क्योंकि पूर्व में युद्ध पर जाने से पहले पशुओं की बलि दी जाती थी। आरआइ सत्यप्रकाश मिश्रा बताते हैं, निर्दोष पशुओं की बलि की जगह कुम्हेड़े की बलि की परंपरा शुरू हुई, क्योंकि कुम्हेड़े को शास्त्रों में सजीव ही माना गया है, इसलिए बलि के प्रतीक स्वरूप उसे काटा जाता है। पुलिस लाइन में उसे इस तरह रखा जाता है जिससे तलवार से एक ही बार में उसके दो भाग हो जाएं। पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन से पहले मां दुर्गा की योगिनियां जया और विजया की पूजा होती है, फिर हवन होता है। इसके बाद शस्त्र पूजन होता है।

आज सुबह 9 बजे होगा पुलिस लाइन में दशहरा पूजन– पुलिस लाइन में हर बार की तरफ सुबह 9 बजे दशहरा पूजन होगा। पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन के साथ ही कुम्हेड़े को काटा जाएगा, फिर हथियारों से फायर भी किया जाता है। दशहरा पूजन में एडीजी डी. श्रीनिवास वर्मा, एसएसपी राजेश सिंह चंदेल सहित सभी पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शस्त्र पूजन के बाद पुलिस लाइन में वाहनों का भी पूजन होगा। सभी थाना प्रभारी अपने थानों में भी शस्त्रों की पूजा करेंगे।

चढ़ाई आस्तीन, चढ़े हाथी पर

ग्वालियर। कभी उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने के साथ ही पड़ोसी मध्य प्रदेश के सीमावर्ती चंबल क्षेत्र में जनाधार बढ़ाने वाली बहुजन समाज पार्टी ने पिछले तीन दशक की तरह 2023 में भी भाजपा-कांग्रेस के बागियों से सहारे चुनावी बिसात बिछा दी है। यहां कई बागियों के बसपा की ओर से टिकट तय हो चुके हैं तो कुछ कतार में है, जिनके सहारे पार्टी 1993 के उस इतिहास को दोहराने की उम्मीद कर रही है, जब यहां से उसे एक साथ पांच विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। पार्टी हर विधानसभा चुनाव में किसी न किसी सीट पर जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही है। 2018 में उसे एक सीट पर जीत हासिल हुई थी वहीं एक दर्जन से ज्यादा सीटों पर उसके प्रत्याशियों ने 10 हजार से अधिक मत हासिल कर भाजपा-कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ दिए थे।

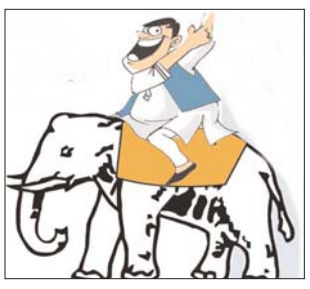

भाजपा कांग्रेस के बागियों को बसपा ने थमाया टिकट– ग्वालियर चंबल अचंल के भिंड-मुरैना सहित छह जिलों पर नजर डालें तो यहां भिंड-मुरैना में भाजपा-कांग्रेस के मजबूत बागियों को बसपा ने पार्टी में शामिल कर 24 घंटे की भीतर ही टिकट थमा दिया। भिंड की लहार सीट से भाजपा के बागी रसाल सिंह ने बसपा से ताल ठोकी है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह की इस सीट पर भाजपा इस बार 30 सालों से चले आ रहे हार के तिलस्म को तोड़ने के प्रयास में है, 2018 में बागी होकर बसपा से चुनाव लड़ने वाले अबंरीष शर्मा को इस बार भाजपा ने टिकट दे दिया है, ऐसे में 2018 में उन्हें हार का कारण मानने वाले रसाल सिंह ने बगावत कर दी है। भिंड विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर जीतने वाले संजीव सिंह ने एक साल पहले भाजपा का दामन थाम लिया था, पर पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। उनके फिर बसपा से मैदान में उतरने की चर्चा गरम है। संजीव सिंह ने भाजपा से असंतुष्ट होकर ही 2018 में बसपा से चुनाव लड़कर भाजपा को हराया था। अटेर विधानसभा सीट पर दो बार विधायक रहे चुके मुन्ना सिंह भदौरिया भी टिकट न मिलने पर भाजपा से इस्तीफा दे चुके हैं और समाजवादी पार्टी से चुनावी मैदान में आ गए हैं

24 घंटे में ही ठंडे पड़ गए मुन्ना लाल के तेवर, सिंधिया से मिलने पहुंचे

ग्वालियर। भाजपा की पांचवी सूची में ग्वालियर पूर्व से टिकट कटने पर बीज विकास निगम के अध्यक्ष और सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल हुए मुन्नालाल गोयल के विरोध स्वर 24 घंटे में ढीले पड़ गए। सोमवार को पूर्व घोषित कार्यकर्ता सम्मेलन से पहले मुन्ना लाल शाम को मांढ़रे की माता मैदान में सिंधिया से मिलने पहुंचे और नत मस्तक हो गए। इससे पहले एक लिखित बयान में मुन्ना लाल ने कहा, पहले विधायकी कुर्बान कर दी थी। अगर विश्वास लेकर कोई फैसला करते तो टिकट क्या था। मैं भाजपा छोड़कर कहीं नहीं जा रहा हूं। पार्टी जो काम देगी उसे पूरी

तन्मयता से करूंगा।बता दें, टिकट कटने पर मुन्ना लाल के समर्थकों ने शनिवार को महल का घेराव किया था। ऐसा पहली बार हुआ कि विरोध की आग महल के दरवाजे तक पहुंची। कार्यकर्ताओं की बैठक सिर्फ भोजन तक सीमित, शब्दों में अभी भी टीस~टिकट कटने के बाद मुन्नालाल गोयल ने आर-पार की लड़ाई के लिए सोमवार की शाम को हुरावली में समर्थकों की बैठक बुलाई। बैठक में समर्थक जुटे लेकिन यह भोजन की सीमित रही। यहां उन्होंने बयान दिया, जिसमें उनकी टीस नजर आई। मुन्नालाल ने कहा कि जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता ही उसे चुनाव जिताती है, लेकिन जो लोग जनता के बीच एक दिन नहीं गए गये नहीं, जिनका नाम सर्वे में कहीं नहीं था, उनको टिकट दे दिया गया। जिन लोगों ने पिछले तीन वर्षों में अपना एक-एक पल जनता के बीच बिताकर भाजपा को मजबूती देने का काम किया, ऐसे कार्यकर्ताओं को टिकट से वंचित कर उनके संघर्ष की हत्या की गई।

षड़यंत्र की पुनरावृत्ति हुई– षड़यंत्र की पुनरावृत्ति हुई मुन्ना लाल ने कहा कि महापौर चुनाव में जो ष?यंत्र हुआ, उसकी पुनरावृत्ति हुई हैं। जब भाजपा सरकार बनाने के लिये एक-एक सीट का संघर्ष कर रही है तब ग्वालियर पूर्व की सीट का अप्रत्याशित निर्णय कार्यकर्ताओं को गंवारा नहीं। इसलिए गांधीवादी तरीके से पार्टी नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचाई है। मुन्ना ने सिंधिया को अपना नेता बताते हुये भाजपा नहीं छोड़ने की बात भी कही। बैठक में भाजपा का मूल कार्यकर्ता नहीं आया।

कृषि विश्वविद्यालय में तैयार होगी एरोपोनिक यूनिट, हवा में तैयार होगा आलू का बीज

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में एरोपोनिक तकनीक से आलू का बीज तैयार होगा। इसके लिए मंडी बोर्ड द्वारा 9 करोड़ की राशि स्वीकृत भी हो चुकी है। जिसके बाद अब अगले सप्ताह विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम शिमला के लिए रवाना होगी। जहां से आलू के बीज तैयार करने के लिए पौध लेकर आएगी। जिसकी मदद से लैब में छह स्टेज पार करने पर किसान के लिए आलू का बीज तैयार होगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन अगले पन्द्रह दिन में एरोपोनिक यूनिट बनाकर तैयार करेगी। हवा में आलू का बीज उगाने के पीछे मुख्य उद्देश्य किसानों की पैदावार बढ़ाने के साथ ही बीज संबंधी समस्या का स्थाई समाधान करना है, जिससे किसानों को बार-बार आलू का बीज खरीदने की आवश्यकता न पड़े। लोगों ने सोने के प्रतीक पत्तियां लूटी

हवा में किस तरह से उगाया जाएगा बीज– दरअसल, ऐरोपोनिक खेती की वह तकनीक है जिसके तहत बिना मिट्टी और पानी के बगैर फल, फूल और सब्जियों की खेती की जाती है। यानी इस तकनीक में लटकती हुई जड़ों के द्वारा उन्हें पोषण दिया जाता हैं, साथ ही पोषक तत्वों को धुंध के रूप में जड़ों में छिड़का जाता है। वहीं, पौधे का ऊपरी भाग खुली हवा में रहता है। आलू के बीज को हवा में रखकर उस पर पोषक तत्वों का छिड़काव कर उगाया जाता है।

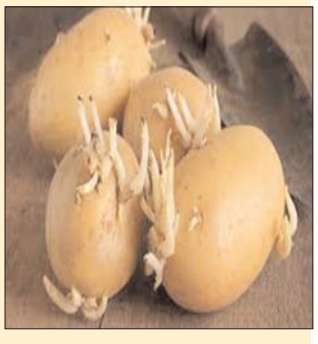

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478